वर्ष: 3 | अंक: 137

जयपुर, शनिवार, 27 अप्रैल, 2024 | बैशाख, कृष्ण पक्ष- तृतीया, विसं 2081

पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

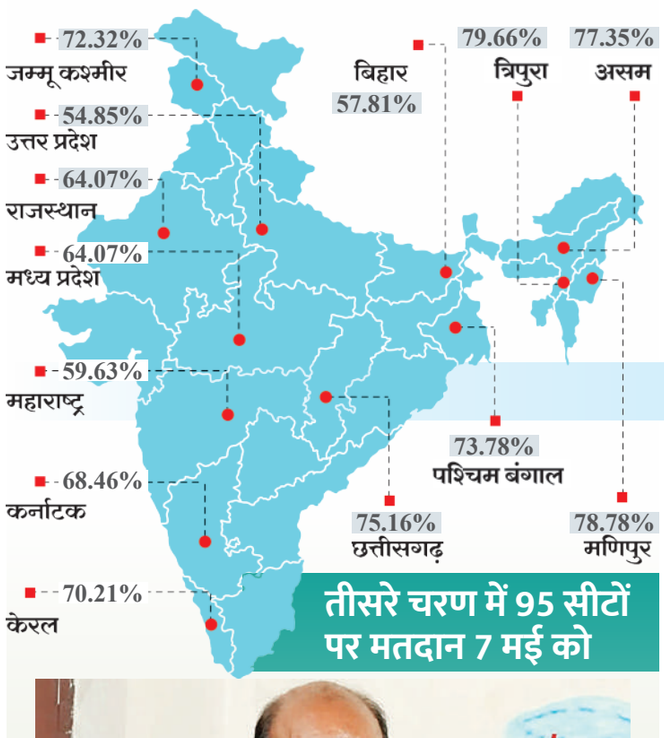

तीसरे चरण में 95 सीटों पर मतदान 7 मई को

हेमा और ओम बिरला के भाग्य का हुआ फैसला

प्रमुख उम्मीदवारों में कांग्रेस नेता शशि थरूर, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर, अभिनेता अरुण गोविल, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी शामिल हैं, वहीं भाजपा सांसद हेमा मालिनी, ओम बिरला और गजेंद्र सिंह शेखावत तीसरी बार संसद में पहुंचने की कोशिश में मैदान में हैं।

मतदान श्रेष्ठ दान: सुधा मूर्ति

बेंगलुरु। दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के संस्थापक एन आर नारायण मूर्ति, उनकी पत्नी और राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने शुक्रवार को लोकसभा चुनाव में सुबह-सुबह मतदान किया। नारायण मूर्ति ने यहां पत्रकारों से कहा कि हमें हर पांच साल में यह मतदान का अधिकार मिलता है। किसी को भी इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। सुधा मूर्ति ने कहा कि मतदान श्रेष्ठ दान। 77 साल के नारायण मूर्ति खराब सेहत के बावजूद मतदान करने के लिए आए। वे अस्पताल में भर्ती थे। हमने उन्हें अस्पताल से छुट्टी दिलाई और मतदान कराने के बाद घर लेकर जा रहे हैं।

दूसरा चरण: 13 राज्यों की 88 सीटों पर मतदान

EVM में कैद जनादेश

राजस्थान में 64.07 फीसदी वोट पड़े... उत्तर प्रदेश में सबसे कम 54.85%

फोटो: पंकज शर्मा

2019 के मुकाबले कम रही वोटिंग... त्रिपुरा में सर्वाधिक मतदान

एजेंसी | नई दिल्ली/जयपुर

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत देश के 13 राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के 88 लोकसभा सीटों पर शुक्रवार को 61 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो निर्वाचन आयोग के शुक्रवार रात 12 बजे के आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा त्रिपुरा में 79.66 प्रतिशत और सबसे कम उत्तर प्रदेश में 54.85 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं, मणिपुर में 78.78 प्रतिशत, छत्तीसगढ़ में 75.16 प्रतिशत, पश्चिम बंगाल में 73.78 प्रतिशत, असम में 77.35, जम्मू और कश्मीर में 72.32, केरल में 70.21, कर्नाटक में 68.46, राजस्थान में 64.07, मध्य प्रदेश में 58.26, महाराष्ट्र में 59.63 और बिहार में 57.81 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट किया है। ■ पेज 8 भी देखें

नार्थ ईस्ट के राज्यों में वोटिंग के प्रति दिखा उत्साह...

राजस्थान

13 सीटों पर मतदान का प्रतिशत

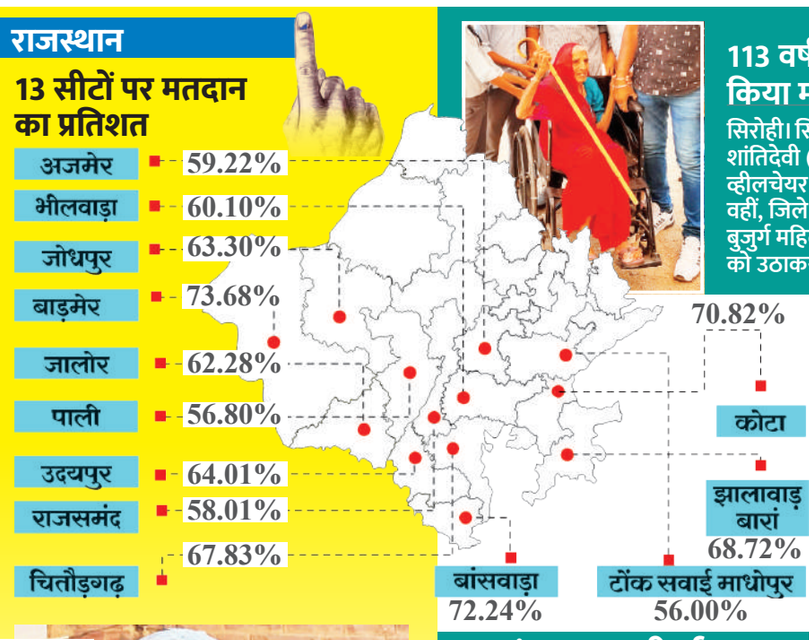

113 वर्षीय शांतिदेवी ने किया मतदान

सिरोही। सिरोही के नया सानवाड़ा में शांतिदेवी (113) अपने पौत्र के साथ व्हीलचेयर पर मतदान करने पहुंची। वहीं, जिले के पिंडवाड़ा में 90 साल की बुजुर्ग महिला का बेटा गोदी में अपनी मां को उठाकर मतदान के लिए लाया।

भीलवाड़ा में मतदान केंद्र पर बुजुर्ग की मौत

लोकतंत्र के पर्व पर मतदान करने पहुंचे एक बुजुर्ग ने मतदान केंद्र पर ही दम तोड़ दिया। अचानक घटे इस घटनाक्रम के बाद मतदान केन्द्र पर हड़कंप मच गया. बाद में बुजुर्ग को चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ये घटना राजस्थान में भीलवाड़ा शहर के उपनगर पुर की है। यहां बने एक मतदान केंद्र पर बुजुर्ग छगनलाल बघेला की मौत हो गई।

@ जोधपुर

मां का आशीर्वाद...

@ झालावाड़

भीलवाड़ा: चार पीढ़ियों ने किया एक साथ मतदान

वृद्ध महिला जमकू देवी (101) रेगर अपने पुत्र, पोते व पोते की लड़की के साथ बूथ संख्या 172 पर मतदान किया। वे इस उम्र में भी पैदल चलकर वोट देने पहुंची।

डेढ़ फुट के मंथन ने किया मतदान

बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा क्षेत्र में डेढ़ फुट के मंथन ने मतदान किया। वह 22साल का है। वह अपना वोट देने बूथ पर ठीक 6 बजे से 5 मिनट पहले पहुंचा और गांव के दुलारे मंथन ने उत्साह के साथ मतदान किया।

पति के दाह संस्कार के एक घंटे बाद पत्नी ने किया मतदान

बांसवाड़ा। अब तक शादी के बाद या पहले या फिर बीच में मतदान की खबरें आती रहती हैं। पर, शुक्रवार को हुए लोकसभा चुनाव में बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट पर आदिवासी अंचल में पति की मृत्यु पर दाह संस्कार के करीब एक घंटे बाद पत्नी ने केन्द्र पहुंच मतदान कर अपनी जिम्मेदारी निभाई। घटना शहर से करीब 20 किलोमीटर दूर भूंगड़ा कस्बे की है। यहां 60 वर्षीय गणपतलाल पुत्र जीवा नाई की तबीयत लंबे समय से खराब थी। उनकी शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे मृत्यु हो गई। शाम करीब 4 बजे दाह संस्कार कराया गया। इसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता ललित कलाल और रवि कलाल मृतक परिवार से मिले। उनको मतदान का महत्व समझाया। इसके बाद मृतक की पत्नी सूरज देवी को साथ लाए और मतदान कराया है।

EVM-VVPAT पर सुप्रीम फैसले के बाद बोले पीएम मोदी

'मतपेटियां लूटने वालों को मिला करारा जवाब'

एजेंसी | पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को EVM-VVPAT पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद विपक्ष पर करार प्रहार किया है। पीएम मोदी ने कहा, सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कह दिया है कि बैलेट पेपर वाला दौर वापस लौटकर नहीं आएगा। उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस पर सीधे हमला बोला और कहा, आज मतपेटियां लूटने वालों को करारा जवाब मिला है. पीएम मोदी का कहना था कि आज जब पूरी दुनिया भारत के सिस्टम की वाहवाह करती है तब ये लोग अब निजी स्वार्थ से बदनीयत से ईवीएम को बदनाम करने में लगे हैं। पीएम शुक्रवार को बिहार के अररिया में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। ■ पेज 7 भी देखें

जनता में EVM पर भ्रम पैदा किया

पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन लोकतंत्र के लिए खुशी का दिन है। पहले यहां RJD और कांग्रेस के शासन में बैलट पेपर के नाम पर लोगों का हक लूटा जाता था। इनकी सरकार में चुनाव में वोट लूट लिए जाते हैं। इसलिए ये EVM हटाना चाहते हैं। इंडी गठबंधन के हर नेता ने EVM को लेकर जनता के मन में संदेह पैदा करने का पाप किया है। अभी 2 घंटे पहले लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी लताड़ लगाई है। करारा तमाचा मारा है कि ये देख नहीं पा रहे हैं। विपक्ष को माफी मांगनी चाहिए।

लोकतंत्र से विश्वासघात की कोशिश

पीएम मोदी का कहना था कि आज जब पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र की, भारत की चुनाव प्रक्रिया की, चुनाव में टेक्नोलॉजी के उपयोग की वाहवाही करती है, तब ये लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए EVM को बदनाम करने पर लगे पड़े थे। इन्होंने लोकतंत्र के साथ लगातार विश्वासघात करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, चुनाव के दौरान आपस में चाहे कितनी ही तू-तू मैं-मैं हो, पर जहां पर भी चुनाव हो रहा है वहां के इलाके के लोग घर-घर से निकलकर वोट डालें।

बैलट पेपर से चुनाव नहीं

ईवीएम पर सुप्रीम मुहर... VVPAT से 100% मिलान की मांग खारिज

खास बातें

- EVM के 42 साल के इतिहास में पहली बार जांच का रास्ता खोला
- विधानसभा क्षेत्र की मशीनों में से 5% की जांच कराई जा सकेगी
- सुनवाई जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस संजीव खन्ना ने की

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को बैलट पेपर से चुनाव कराने और EVM और VVPAT स्लिप की 100% क्रॉस-चेकिंग कराने से जुड़ी याचिकाएं खारिज कर दीं। अलबत्ता, एक बड़ा फैसला देते हुए कोर्ट ने EVM के इस्तेमाल के 42 साल के इतिहास में पहली बार जांच का रास्ता खोल दिया। सुनवाई जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस संजीव खन्ना की बेंच ने की। दोनों न्यायाधीशों ने यह फैसला एकमत होकर दिया। बता दें, देश में 1982 में पहली बार केरल में EVM से आम चुनाव हुए थे। सुप्रीम कोर्ट में चुनौती के बाद इन्हें रद्द कर दिया गया था।

तीन पक्ष शामिल थे इस केस में

इस केस में 3 पक्ष शामिल थे...एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म यानी याचिकाकर्ता, चुनाव आयोग तथा केंद्र सरकार। केस चुनाव और मतदान से जुड़ा है तो राजनीतिक पार्टियां और आम जनता भी जुड़ी हुई थीं।

केस और फैसले का असर: आम आदमी यानी मतदाता : सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से आम आदमी की वोट देने की प्रोसेस में कोई बदलाव नहीं होगा। वोटर पोलिंग बूथ जाएगा। अंगुली पर स्याही लगेगी। चुनाव अधिकारी कंट्रोल यूनिट का बटन दबाएगा। वोटर बैलट यूनिट में कैंडिडेट के नाम के सामने का बटन दबाएगा और फिर कुछ सेकेंड तक वीवीपैट की लाइट में अपनी पर्ची देख सकेगा।

राजनीतिक पार्टियां और कैंडिडेट्स

फैसले के बाद राजनीतिक पार्टियां और कैंडिडेट्स के लिए एक रास्ता खुला है। फैसले के मुताबिक दूसरे या तीसरे नंबर पर आने वाले किसी कैंडिडेट को शक है तो वह रिजल्ट घोषित होने के 7 दिन के भीतर शिकायत कर सकता है। शिकायत के बाद EVM बनाने वाली कंपनी के इंजीनियर्स इसकी जांच करेंगे। किसी भी लोकसभा क्षेत्र में शामिल विधानसभा क्षेत्रवार की टोटल EVM's में से 5% मशीनों की जांच हो सकेगी।

जांच का खर्च कैंडिडेट वहन करेगा

इस जांच का खर्च कैंडिडेट को ही उठाना होगा। चुनाव आयोग ने बताया- जांच की समय सीमा और खर्च को लेकर जल्द ही जानकारी शेयर की जाएगी। जांच के बाद अगर ये साबित होता है कि EVM से छेड़छाड़ की गई है तो शिकायत करने वाले कैंडिडेट को जांच का पूरा खर्च लौटा दिया जाएगा।

याचिकाकर्ता: उनकी सभी याचिकाएं खारिज हो गईं, लेकिन EVM की जांच के आदेश से थोड़ी राहत मिली। ADR के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश दिए, जिसमें कैंडिडेट्स के लिए शिकायत और फिर जांच की बात भी है।

चुनाव आयोग को 3 निर्देश: ■ सिंबल लोडिंग प्रक्रिया के पूरा होने के बाद इस यूनिट को सील कर दिया जाए। सील की गई यूनिट को 45 दिन के लिए स्ट्रॉन्ग रूम में स्टोर किया जाए। ■ इलेक्ट्रॉनिक मशीन से पेपर स्लिप की गिनती के सुझाव का परीक्षण कीजिए। ■ यह भी देखिए कि क्या चुनाव निशान के अलावा हर पार्टी के लिए बारकोड भी हो सकता है।

लोकसभा चुनाव 2024

लोकतंत्र की मजबूती के लिए कदमताल

■ बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए पहुंचे ■ राजस्थान की 13 लोकसभा सीटों पर हुआ मतदान

जयपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में शुक्रवार को प्रदेश की 13 लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर लंबी-लंबी लाइन लगी। बड़ी संख्या में मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए पहुंचे। हालांकि, मतदान प्रक्रिया शुरू होने अब पहले मतदान दलों के पीठासीन अधिकारियों को अपने-अपने मतदान केंद्र में वास्तविक मतदान प्रारंभ करने के डेढ़ घंटे पहले मॉक पोल कराया, निर्वाचन आयोग के नियमों के तहत मॉक पोल के बाद वास्तविक मतदान प्रक्रिया शुरू हुई। बड़ी संख्या में युवाओं लोकतंत्र के इस महापर्व में भूमिका निभाने पहुंचे। वहीं बुजुर्गों ने भी लोकतंत्र के उत्सव में भागीदारी निभाई। लोकसभा प्रत्याशियों ने लेकर विभिन्न पार्टियों के नेता और सरकारी अधिकारियों ने भी अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

जरूरी खबर

ईज ऑफ लिविंग में योगदान दें: मुख्य सचिव

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राजस्व विभाग राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण विभाग होने के साथ ही आम नागरिक से सीधा जुड़ाव रखता है। उन्होंने कहा कि आमजन की राजस्व विभाग से संबंधित अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए अधिकारियों को ईज ऑफ लिविंग की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गाँवों में शहरों की अपेक्षा राजस्व सम्बन्धी मामलों की अधिकता रहती है। ऐसे में हमें इस दिशा में बेहतर कार्य कर आम नागरिक को राहत दिलाने का पुरजोर प्रयास करना चाहिए। मुख्य सचिव ने यह बात शासन सचिवालय में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के दौरान कही। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय कार्यों की समय-समय पर सघन मॉनिटरिंग की जाये और इनकी प्रगति में आ रही समस्याओं का विश्लेषण कर उनका निस्तारण किया जाये। पंत ने विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती और विभिन्न प्रोजेक्ट्स एवं योजनाओं की प्रगति पर विभागीय अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय योजनाओं की सभी स्तर पर माइक्रो मॉनिटरिंग करें और लंबित प्रकरणों पर प्रमुखता से कार्य कर उनके निस्तारण में तेजी लाएं।

बीजेपी कार्यालय सीएम पहुंचकर लिया फीडबैक

जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के विश्वास पर वोट किया

बेधड़क । जयपुर

प्रदेश में दूसरे चरण का मतदान समाप्त होने के बाद सभी 25 सीटों पर चुनाव सम्पन्न हो गए हैं। दूसरे चरण की 13 सीटों पर वोटिंग खत्म होने के बाद शनिवार को सीएम भजनलाल शर्मा बीजेपी कार्यालय पहुंचे। यहां सीएम ने चुनाव में लगी टीम से फीडबैक भी लिया।

इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में वोटिंग कैसी भी हो, वो बीजेपी के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता का मूड अच्छा है। उन्होंने पीएम मोदी के विश्वास पर वोट किया हैं। सीएम ने कहा कि मैं प्रदेश की जनता को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने बढ़चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता ने दुनिया मे देश का गौरव बढ़ाने, भ्रष्टचार औऱ तुष्टीकरण रोकने, देश और राजस्थान को विकसित बनाने के लिए वोट दिया हैं।

सीएम ने चुनाव टीम ने लिया फीडबैक

सीएम भजनलाल शर्मा ने मतदान समाप्त होने के बाद बीजेपी कार्यालय पहुंचकर चुनाव में लगी पूरी टीम से मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने पूरी टीम का आभार भी जताया। प्रदेश में चुनाव के लिए बीजेपी की चुनाव प्रबंधन, कंट्रोल रूम, सोशल मीडिया और आईटी की टीम सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता लगे हुए थे। बीजेपी कार्यालय पहुंचकर सीएम भजनलाल शर्मा ने सभी टीमों के सदस्यों से मुलाकात करके उनसे चुनाव का फीडबैक लिया। इस मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय संगठक वी सतीश भी मौजूद रहे। दरअसल बीजेपी में प्रदेश संगठन मंत्री चंद्रशेखर के जाने के बाद से ही यह पद खाली पड़ा है। बीजेपी ने इस पद पर किसी की नियुक्ति नहीं की हैं। ऐसे में चुनावों को लेकर केन्द्र ने वी सतीश को राजस्थान भेजा था। वी सतीश ने इन चुनावों में पूरे समय बीजेपी कार्यालय में रहकर सभी तैयारियों की मॉनिटरिंग की। वहीं प्रदेश व केन्द्रीय नेतृत्व के बीच सेतू का काम भी किया। इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने बीजेपी कार्यालय में सभी के साथ डिनर भी किया।

25 सीटों पर खिलेगा कमल

दूसरे चरण का चुनाव समाप्त होने के बाद बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भी मतदाताओं का आभार जताया। सीपी जोशी ने कहा कि 'मोदी है उम्मीद, मोदी है विश्वास' इसलिए मोदी साथे है आपणो राजस्थान। लोकतंत्र में जनता द्वारा जनता के लिए सरकार चुनी जाती है और आज प्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटियों पर विश्वास जताते हुए तीसरी बार हैट्रिक लगाने का काम पूरा कर दिया है। मतदान के बाद हम विश्वास से कह सकते हैं कि प्रदेश की सभी 25 सीटों पर कमल खिलेगा। लोकतंत्र के अनुष्ठान में जिस प्रकार आमजन ने आगे आकर बड़ी संख्या में मतदान किया है, उसके लिए प्रदेश की जनता का अनंत आभार प्रकट करता हूं।

पीड़ित से 7.5 लाख रुपए लिए

दूदू जिला कलेक्टर और पटवारी पर 25 लाख रुपए रिश्वत का आरोप

ACB में मामला दर्ज कर देर रात सर्च कारवाई

बेधड़क | जयपुर

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर जिला कलेक्टर दूदू हनुमान मल ढाका व हंसराज हल्का पटवारी दूदू के रिश्वत मांगने के संबंध में शुक्रवार को पीसी एक्ट की धारा में मामला दर्ज कर निवास स्थान डाक बंगला दूदू, व तहसील कार्यालय दूदू में तलाशी ली गई।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के उपमहानिरीक्षक पुलिस प्रथम, डॉ. रवि के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जयपुर नगर द्वितीय, सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में देर रात तक सर्च कार्रवाई की गई। जिला कलेक्टर दूदू के निवास स्थान डाक बंगला दूदू व तहसील कार्यालय दूदू पर तलाशी जारी रही। उपमहानिरीक्षक डॉ. रवि ने बताया की परिवादी द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई की दूदू में उसकी फर्म के नाम से 204 बीघा जमीन में से कुछ खसरे तालाब /पाल क्षेत्र में होने के कारण कन्वर्जन करवाए जाने की बात को लेकर एक शिकायत जिला कलेक्टर के पास होने पर उसमें कारवाई नहीं करने के ऐवज में दूदू कलेक्टर एवं पटवारी द्वारा परिवारी से 25 लाख रुपए की मांग कर परेशान किया जा रहा था। जिसमें 21 लाख रूपये लेना तय हुआ ।

उल्लेखनीय है कि 21 लाख रुपए परिवादी द्वारा ज्यादा होना बताकर 15 लाख रुपए लेना तय हुआ। जिसमें 7. 5 लाख रुपए कलेक्टर द्वारा अपने डाक बंगले पर मंगवाया जाना रिकॉर्डिंग वार्ता में स्पष्ट हुआ हैं। ब्यूरो द्वारा प्रारंभिक जांच में दूदू कलेक्टर हनुमान मल ढाका व पटवारी हंसराज द्वारा रिश्वत की मांग करने का सत्यापन करने के उपरांत दोनों के विरुद्ध पी सी एक्ट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया। अनुसंधान में प्रारंभिक तौर पर परिवादी की शिकायत जिसमें रिश्वती मांग का सत्यापन का प्रकरण बनना पाया जाने पर न्यायालय भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जयपुर से सर्च वारंट प्राप्त कर जिला कलेक्टर दूदू के निवास स्थान डाक बंगला दूदू व तहसील कार्यालय दूदू में तलाशी की कार्रवाई की गई।

अनुशासनहीनता पर कांग्रेस की कार्रवाई

अमीन और बालेंदु 6 साल के लिए कांग्रेस से निलंबित

बेधड़क | जयपुर

लोकसभा चुनाव में सामने आई पार्टी विरोधी गतिविधियों और बयानबाजी पर दूसरे चरण के मतदान के तुरंत बाद पार्टी ने कड़ा एक्शन लिया है। पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं पर इसकी गाज गिरी है। बाड़मेर के शिव से विधायक रहे अमीन खान और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव बालेंदु सिंह शेखावत को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। इसे लेकर कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने शुक्रवार रात को आदेश जारी किए। सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बताया कि सिरोही-जालोर सीट से लोकसभा प्रत्याशी वैभव गहलोत और जालोर जिला कांग्रेस कमेटी ने अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर शिकायत की थी। इस पर एक्शन लेते हुए राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व सचिव बालेंदु सिंह शेखावत को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित किया गया है।

उम्मेदाराम ने की अमीन खान की शिकायत

सुखजिंदर सिंह रंधावा के अनुसार बाड़मेर-जैसलमेर से लोकसभा चुनाव लड़ रहे उम्मेदाराम बेनीवाल ने अमीन खान के खिलाफ अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों की शिकायत की थी। इस पर एक्शन लेते हुए अमीन खान को छह साल के लिए पार्टी से निलंबित किया गया है। दरअसल, अमीन खान ने बाड़मेर-जैसलमेर से निर्दलीय चुनाव लड़ रहे रविंद्र सिंह भाटी को खुलकर समर्थन दिया था।

दीपेंद्र सिंह शेखावत के बेटे हैं बालेंदु सिंह

कांग्रेस ने अनुशासनहीनता के आरोप में बालेंदु सिंह शेखावत को निलंबित किया है। वे पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत के बेटे हैं और पीसीसी के सचिव रहे हैं। दीपेंद्र सिंह शेखावत सचिन पायलट के नजदीकी माने जाते हैं। अब बालेंदु पर एक्शन के बाद कांग्रेस में एक बार फिर पायलट और गहलोत खेमे की गुटबाजी सामने आती दिख रही है।

4 साल की बालिका भी हुई घायल

हाईवे किनारे खाई में गिरी कार, दंपती की मौत

चाकसू। चाकसू थाना इलाके के हाईवे 52 पर शुक्रवार दोपहर को गिरधारीलालपुरा- टीगरिया कट के पास एक कार अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे बनी खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार 1 महिला व 1 पुरुष की मौत हो गई, जबकि 4 वर्षीय बालिका अंजली घायल हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल बालिका को अस्पताल में भर्ती कराया है। थानाधिकारी कैलाश दान के मुताबिक जयपुर निवासी मुरारी भगेल कार में सवार होकर महिला व बालिका के साथ टोंक से जयपुर की ओर आ रहा था। चाकसू इलाके में पहुंचने पर कार अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे बनी खाई में जा गिरी। हादसे में कार सवार तीनों घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने मुरारी भगेल व महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दोनों के शव मोर्चरी में रखवा दिए हैं और परिजनों को सूचना दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। दुर्घटना के बाद 4 साल की बालिका अंजली इतनी भयभीत है।

जरूरी खबर

गड्ढे के कारण सात दिन तक आवाजाही बंद

जयपुर। जयपुर के गुर्जर की थड़ी अंडरपास के नजदीक सड़क में हुए गड्ढे को ठीक होने में लगभग 7 दिन का वक्त और लगेगा। इसकी वजह से अगले 7 दिनों तक गुर्जर की थड़ी से गोपालपुरा की ओर जाने वाली सड़क को आम जनता के लिए बंद रखा जाएगा। हालांकि इस दौरान वैकल्पिक मार्ग से आम लोगों की आवाजाही जारी रहेगी। जयपुर विकास प्राधिकरण के एईन ऋषिकेश मीणा ने बताया कि गुर्जर की थड़ी अंडरपास के पास गुरुवार को अचानक सड़क धंस गई थी। इसकी जानकारी मिलने के बाद हमारी टीम ने मौके पर पहुंची और जांच शुरू की, लेकिन अब तक वहां किसी तरह का लीकेज या खामी नहीं मिली है। क्षतिग्रस्त सड़क को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया है, लेकिन गड्ढा गहरा होने की वजह से इसे ठीक होने में 7 से 8 दिन का वक्त लग सकता है।

पति ने दिया पत्नी को तीन तलाक, मामला दर्ज

जयपुर। जयपुर में एक पति के पत्नी को तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। समझाने गए परिजनों से भी आरोपी पति ने जमकर पीटा। पीड़िता ने आरोपी पति और उसके भाई के खिलाफ ट्रांसपोर्ट नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है। ASI हबीब खान ने बताया- ट्रांसपोर्ट नगर निवासी 25 साल की महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उसने बताया- साल 2019 में उसकी शादी हुई थी। शादी के बाद से ही पति उससे मारपीट करता था। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे वह अपने माता-पिता के साथ ससुराल आई थी। परिजनों ने पति को समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी पति और उसके भाई ने उनके साथ जमकर मारपीट की। इस दौरान उसके पति ने सभी के सामने मारपीट कर तीन पर तलाक-तलाक-तलाक बोला और कहा कि आज से तेरा-मेरा कोई रिश्ता नहीं है।

निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने ली रिव्यू बैठक, अवैध निर्माण की मांगी रिपोर्ट

अवैध निर्माण पर हेरिटेज निगम सख्त, एक्शन की तैयारी

बेधड़क | जयपुर

जयपुर के रामगंज इलाके में निर्माणाधीन इमारत गिरने के बाद अब नगर निगम प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है।

शुक्रवार को निगम आयुक्त अभिषेक सुराणा ने निगम के सभी जोन उपायुक्त को अपने अपने क्षेत्र में हो रहे अवैध निर्माण का सर्वे करने के लिए कहा है। इसकी डीटेल में रिपोर्ट मांगी है। सुराणा ने कहा- हेरिटेज नगर निगम क्षेत्र में जिसने भी नियमों के विपरीत घर और दुकान निर्माण किया है। उसे नोटिस जारी किया जाएगा। इसके बाद ध्वस्त किया जाएगा। इसके साथ ही

जिन लोगों ने नोटिस जारी होने के बावजूद अवैध निर्माण किया है। उनके निर्माण को भी ध्वस्त किया जाएगा। ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति बिना परमिशन नियमों के विपरीत अवैध निर्माण नहीं करें। दरअसल, शुक्रवार को नगर निगम हेरिटेज के आयुक्त अभिषेक सुराणा ने निगम अधिकारियों की रिव्यू बैठक बुलाई थी। इसमें अवैध निर्माण के साथ स्वच्छता सर्वेक्षण और नगर निगम के कामकाज को लेकर चर्चा हुई। इसमें सुराणा ने शहर में खाली प्लॉट में फैली गंदगी को लेकर नाराजगी जाहिर की।

5 साल से ज्यादा वक्त से प्लॉट खाली तो होगा एक्शन

उन्होंने कहा- कचरा डिपो हटाने के बाद अब शहर में कई इलाकों में खाली प्लॉट में गंदगी का अंबार लग रहा है। ऐसे में जिन भी लोगों के पिछले 5 साल या उससे ज्यादा वक्त से प्लॉट खाली हैं। उन्हें नोटिस जारी कर जल्द निर्माण करने के निर्देश दिए जाएंगे। ऐसा नहीं करने पर संबंधित विभाग को पत्र लिखकर उनके अलॉटमेंट को निरस्त करने की मांग भी की जाएगी।

नाले की सफाई के दिए निर्देश

इस दौरान बैठक में सुराणा ने बारिश से पहले शहर में नाला सफाई करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस बार बड़े नालों की गहराई में जाकर अत्याधुनिक मशीनों से सफाई करें। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी इकट्ठा होने से आम जनता को परेशानी ना हो। इसके साथ ही उन्होंने शहर में 172 जगह से कचरा डिपो हटाने पर नगर निगम कर्मचारियों की हौसला अफजाई की। उन्होंने कहा कि अब वार्ड की एक गली को साफ और स्वच्छ बनाने वाले नगर निगम के कर्मचारियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

पश्चिमी विक्षोभ का असर, राजस्थान में बदला मौसम

अंधड़, बारिश के बाद गिरे ओले, गर्मी से मिली राहत

■ जयपुर सहित कई जिलों में आंधी-बारिश ■ बांसखोह में ओलों के साथ बरसात

बेधड़क | जयपुर

पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान में मौसम बदल गया। प्रदेश के कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। कुछ जगह पर ओले भी गिरे। मौसम विभाग के अनुसार आंधी बारिश के प्रभाव से आगामी दो-तीन दिनों में अधिकतम तापमान में 1 से 2 डिग्री गिरावट होने व जोधपुर, बीकानेर संभाग में आगामी 24 घंटों के दौरान 25 से 30 किलोमीटर की रफ्तार से तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है। प्रदेश में शुक्रवार को सुबह से तेज गर्मी में हाल-बेहाल हो रहे लोगों को दोपहर बाद राहत मिली।

राजधानी जयपुर सहित कई जगहों पर मौसम बदला और तेज हवाएं चलने लगी। अंधड़ में मतदान केन्द्रों पर लगाए गए टेंट उड़ गए। हालांकि बारिश होने से लोगों की गर्मी से राहत मिली। जयपुर के अलावा दौसा, कोटा, बूंदी, भीलवाड़ा सहित कई जगहों पर बारिश हुई। जयपुर के ग्रामीण क्षेत्र में तेज हवा के साथ झमाझम बारिश हुई, वहीं बांसखोह में ओलों के साथ बारिश हुई।

फोटो: पंकज शर्मा

अंधड़-बारिश से मतदान केंद्रों पर उड़े टेंट

सवाईमाधोपुर में मौसम ने भी इस चुनावी बयार में सुबह से शाम तक अपने-अपने अलग रंग दिखाए। दोपहर करीब एक बजे के बाद मौसम ने अचानक करवट बदली और आसमान में धूल भरी बयार चलती नजर आई। इसके बाद दोपहर दो बजे करीब दस मिनट तक तेज अंधड़ के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। इस दौरान अंधड़ से मतदान केन्द्रों पर लगाए गए टेंट उड़ गए।

अधिकतम तापमान

अजमेर	39.8
भीलवाड़ा	40.1
वनस्थली	42.1
अलवर	40
जयपुर	39.6
पिलानी	40.9
सीकर	38.5
कोटा	41.4
चित्तौड़गढ़	39.2
उदयपुर	39.5
धौलपुर	41.4
बारां	41.2
डूंगरपुर	41.1
सिरोही	40.2
सवाई माधोपुर	41
फतेहपुर	41.0
करौली	41.5
बाड़मेर	41.9
पाली	38.6
जैसलमेर	41
जोधपुर	40.3
फलोदी	40.2
बीकानेर	40.3
चूरू	40.4
गंगानगर	41.4
हनुमानगढ़	39.9
जालोर	41.2

सफाई कर्मचारियों की भर्ती मामला

हाईकोर्ट ने सरकार को दी भर्ती प्रक्रिया जारी रखने की छूट

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाईकोर्ट ने स्थानीय निकायों में 24,797 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती में अनुभव प्रमाण पत्र की पात्रता शर्त में भर्ती प्रक्रिया के बीच में किए बदलाव को चुनौती देने के मामले में राज्य सरकार को भर्ती प्रक्रिया जारी रखने की छूट दी है। हालांकि अदालत ने भर्ती को याचिकाओं के अंतिम निर्णय के अधीन रखा है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि भर्ती में याचिकाकर्ताओं के हित भी प्रभावित नहीं होने चाहिए।

वहीं अदालत ने मामले की सुनवाई 28 मई को तय की है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश उदय सिंह यादव सहित करीब ढाई दर्जन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।याचिकाओं में अनुभव प्रमाण पत्र को लेकर 15 मार्च 2024 की पात्रता शर्तों को चुनौती देते हुए कहा कि राज्य सरकार की स्थानीय निकायों में एक मार्च 2024 को निकाली सफाई कर्मचारियों की भर्ती में लाखों अभ्यर्थियों ने आवेदन किया। इस दौरान भर्ती प्रक्रिया के बीच में ही भर्ती एजेंसी ने 15 मार्च को शुद्धि पत्र जारी कर अनुभव प्रमाण पत्र की पात्रता शर्तों में बदलाव कर दिया। नई शर्तों में

कहा गया कि भर्ती में वही कार्य अनुभव प्रमाण पत्र वैध माना जाएगा, जो सार्वजनिक मार्ग या सार्वजनिक सीवरेज संबंधी कार्य के लिए नगरीय निकाय के सक्षम अधिकारी या सफाई ठेकेदार ने जारी किया हो। जबकि इससे पहले 9 जून 2023 के आदेश में अनुभव प्रमाण पत्र में केन्द्र या राज्य सरकार की अर्द्ध सरकारी संस्था, प्लेसमेंट एजेंसी व ठेकेदार के एक साल के कार्य अनुभव प्रमाण पत्र को वैध माना था।

याचिका में कहा गया कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान शर्तों में बदलाव नहीं हो सकता है। इसलिए 9 जून 2023 के अनुभव प्रमाण पत्र की पात्रता शर्तों के अनुसार ही सफाई कर्मचारियों की भर्ती की जानी चाहिए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने भर्ती प्रक्रिया जारी रखने के आदेश देते हुए इसे याचिका के निर्णय के अधीन रखा है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए ख़बर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

डेढ़ घंटे तक चला सर्च ऑपरेशन

जयपुर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

बेधड़क | जयपुर

जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई। एयरपोर्ट के ऑफिशियल फीडबैक आईडी पर शुक्रवार दोपहर धमकी भरा ईमेल आया। इसके बाद एयरपोर्ट के सुरक्षाकर्मियों के साथ ही एंटी बम स्क्वॉड ने सर्च अभियान चलाया। साइबर टीम भी जांच में जुट गई है। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने बताया- यात्रियों को फीडबैक के लिए दी गई आईडी पर आज दोपहर में ईमेल आया था। ईमेल करने वाले ने खुद को बेंगलूरु का

होने की बात लिखी है। ईमेल में आरोपी ने एयरपोर्ट के एंट्रेंस गेट पर बम रखा होने की धमकी दी। इसके बाद डॉग स्क्वॉड, एंटी बम स्क्वॉड और एयरपोर्ट की सभी सुरक्षा एजेंसियों ने संयुक्त अभियान चलाकर जांच शुरू की। लगभग डेढ़ घंटे की जांच में एयरपोर्ट एरिया में किसी तरह की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। मामले में एयरपोर्ट थाने में केस दर्ज करवा दिया गया है। ACP (मालवीय नगर) आदित्य पूनिया ने बताया- दोपहर करीब 1:30 बजे पुलिस को एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 के गेट पर बैग में बम रखे होने की सूचना दी गई। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ऑफिशियल आईडी पर राजेश नाम के व्यक्ति ने धमकी भरा ईमेल भेजा था। इसमें लिखा था- जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 गेट पर काले रंग के बैग में बम रखा हुआ है। मैं बेंगलुरु में बैठा हूं। पकड़ सको तो पकड़ लो।

पुलिस ने 6 इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को किया गिरफ्तार

शौक और मौज मस्ती के लिए बने लुटेरे

बेधड़क | जयपुर

जयपुर में लूट की वारदात को अंजाम देने वाले इंजीनियरिंग के 6 स्टूडेंट को रामनगरिया थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। शौक-मौज के लिए वह किडनैप कर लूट की वारदात को अंजाम देते थे। फिल्मी स्टाइल में वारदात कर लुटेरे इंजीनियरिंग स्टूडेंट फरार हो जाते थे।

रामनगरिया थाना पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों की तलाश कर रही है। DCP (ईस्ट) कावेन्द्र सिंह सागर ने बताया- लूट

के मामले में आरोपी चन्दन सैनी (20) पुत्र मुकेश कुमार सैनी निवासी सुमेर नगर मुहाना, दिपांशु यादव (21) पुत्र रामनिवास यादव निवासी तिजारा अलवर, ओमवीर पोसवाल (21) पुत्र घनश्याम गुर्जर निवासी बहरोड कोटपूतली, नितेश राव (23) पुत्र रामधन रावत निवासी बहरोड़ कोटपूतली, अजत मलिक (21) पुत्र अमित कुमार निवासी मेरठ उत्तर प्रदेश और अमित कुमार (21) पुत्र सुरेन्द्र सिंह निवासी रेवाडी हरियाणा को अरेस्ट किया गया है। वह विभिन्न कॉलेजों से इंजीनियरिंग कर रहे है।

पूछताछ में सामने आया है कि फिल्मी स्टाइल से लूट की वारदात को अंजाम दिया करते थे। दो गाड़ियों में ग्रुप के साथ पहले सुनसान इलाकों में घूमते थे। शिकार मिलने पर उसकी गाड़ी के आगे कार लगाकर रोक लेते थे। उसकी वजह से खुद की गाड़ी का एक्सीडेंट होने का बहाना बनाकर झगड़ा करते। किडनैप कर कार में डालकर मारपीट कर उसके पास मिले रुपयों को छिन लेते। ऑनलाइन बैंक अकाउंट से भी रुपए ट्रांसफर कर लूट की वारदात कर रास्ते में उतारकर फरार हो जाते। लूट के रुपयों को मौज-मस्ती और अपने शौक पूरा करने में यूज करते थे।

एसआई भर्ती मामला: हाई कोर्ट को एक मई से सप्ताहभर में सुनवाई पूरी करने को कहा

सुप्रीम कोर्ट ने की आरोपियों की विशेष याचिका खारिज

बेधड़क | जयपुर

सुप्रीम कोर्ट ने एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में 11 ट्रेनी एसआई और एक कांस्टेबल सहित 12 आरोपियों को राहत देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपियों की विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दिया है।

अदालत ने हाईकोर्ट को कहा है कि वह तय तारीख पर 1 मई को मामले की सुनवाई करे। एसएलपी में आरोपियों ने हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें हाईकोर्ट ने आरोपियों को रिहा करने वाले मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट के आदेश पर रोक लगा दी थी। दरअसल, जयपुर मैट्रो-द्वितीय की सीएमएम कोर्ट ने आरोपियों को 12

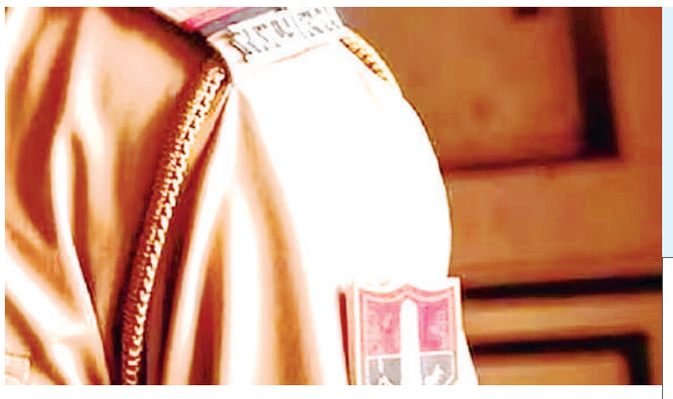

अप्रैल को जमानत देने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ सरकार हाईकोर्ट गई थी। हाईकोर्ट ने 15 अप्रैल को सुनवाई के बाद सीएमएम के आदेश पर रोक लगा दी थी। अब आरोपी हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। आरोपियों की ओर से कहा गया कि उनके रिलीज ऑर्डर जारी हो चुके थे। हाईकोर्ट ने गलत तरीके से आरोपियों की गिरफ्तारी पर रोक लगाई है।

सीएमएम कोर्ट ने आरोपियों को दी थी जमानत

दरअसल, जयपुर मैट्रो-द्वितीय की सीएमएम कोर्ट ने आरोपियों को एसओजी की तरफ से गिरफ्तार करने के 24 घंटे बाद पेश करने को उल्लंघन माना था। कोर्ट ने माना था कि एसओजी ने आरोपियों को अवैध हिरासत में रखा है। इस पर कोर्ट ने गिरफ्तार ट्रेनी एसआई हरखू, मंजू, सुरेन्द्र कुमार, जयराज सिंह, सुभाष, दिनेश, चेतन सिंह, मालाराम, राकेश, दिनेश, चेतन सिंह, मालाराम,राकेश, अजय, मनीष और कांस्टेबल अभिषेक को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए थे।

ये है मामला

बता दें कि एसओजी की टीम 2 अप्रैल को सुबह करीब 9।30 राजस्थान पुलिस एकेडमी पहुंची थी। यहां तीन घंटे तक आरोपियों से पूछताछ की थी। इसके बाद 15 ट्रेनी एसआई को डिटेन कर एसओजी मुख्यालय लाया गया था। इसमें 2 महिला और 13 पुरुष सब इंस्पेक्टर शामिल थे। यहां पूछताछ के बाद 3 अप्रैल को 11 ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके अलावा एसओजी ने जोधपुर कमिश्नरेट के सदर बाजार थाने में तैनात कांस्टेबल अभिषेक बिश्नोई को भी गिरफ्तार किया था। अभिषेक बिश्नोई एसआई भर्ती परीक्षा 2021 में पास हुआ था, लेकिन उसने जॉइन नहीं किया था।

राज्यपाल को ग्राफिक उपन्यास की प्रति भेंट

बेधड़क | जयपुर

राज्यपाल कलराज मिश्र को शुक्रवार को राजभवन में सड़क सुरक्षा जागरूकता के आलोक में तैयार 'ट्रैफिक टेल्स' ग्राफिक नोवल भेंट किया गया। मुस्कानः फाउंडेशन फॉर रोड सेफ्टी' द्वारा प्रकाशित इस अंग्रेजी नोवल में सड़क पर वाहन चलाने से संबंधित सावधानियां, दुर्घटना से बचाव और सड़क सुरक्षा से संबंधित सावधानियों को चितकथा-रूप में संयोजित किया गया है। राज्यपाल मिश्र ने इस प्रयास की सराहना की है।

जरूरी खबर

घर से अवैध शराब का कारोबार करने वाला गिरफ्तार

बाड़मेर। थाना रामसर पुलिस की टीम ने कस्बा गागरिया में एक मकान पर दबिश देकर मौके से 288 बीयर, 432 देशी शराब के पव्वे व 162 अंग्रेजी शराब के पव्वे जब्त किये है। पुलिल ने आरोपी खेत सिंह पुत्र बखत सिंह (45) निवासी सालम सिंह की बस्ती को गिरफ्तार किया है। एसपी नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि सूखा दिवस पर कस्बा गागरिया में खेत सिंह के कमरे पर दबिश देकर एक कमरे में छुपा कर रखें अवैध अंग्रेजी व देशी शराब व बीयर के कार्टून जप्त किए गए ।

कचरे के ढेर में मिला शव, जानवरों ने मुंह- पैर नोंचा

सीकर। उद्योग नगर इलाके में कचरे के ढेर में बुजुर्ग का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल पुलिस ने शव को एसके अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। शनिवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। उद्योग नगर पुलिस थाने के हेड कांस्टेबल मामराज के अनुसार मृतक हीरालाल (80) पुत्र आसाराम है जो मूल रूप से तो झुंझुनू जिले का रहने वाला है। लेकिन वर्तमान में परिवार के साथ पिपराली चौराहे के नजदीक विनायक विहार कॉलोनी में रह रहा था। पिपराली चौराहे के नजदीक कचरे के ढेर में कोई बॉडी मिली है। बॉडी की पहचान हीरालाल के रूप में हुई। शव जानवरों ने पैर और मुंह नोचा लिया।

प्रभारी सचिव जैन ने विद्यार्थियों के साथ किया संवाद

बीकानेर। प्रदेश के विद्यार्थियों को 'असुरक्षित स्पर्श' के बारे में जागरूक करने के लिए 'गुड टच, बैड टच' अभियान के तहत स्पर्श (गुड टच बैड टच) मेंटोर तथा जिला प्रभारी सचिव नवीन जैन ने शुक्रवार को करणी नगर स्थित आरएन आरएसवी स्कूल में विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों को हुए टेक्नोलॉजी के दुष्प्रभाव और अच्छे तथा बुरे स्पर्श के प्रति जानकारियां दी। इस दौरान बीकानेर स्पर्श टीम से डॉ मुदिता पोपली, चंद्रप्रभा, सोनू राजपुरोहित, नवाब अली, प्रशिक्षु आईएएस यक्ष चौधरी, सांख्यिकी विभाग के उपनिदेशक सुशील शर्मा स्कूल निदेशक पार्थ मिश्रा, व्यवस्थापक रामलाल स्वामी, शाला प्राचार्य बिंदु विश्नोई आदि मौजूद रहे।

जोधपुर में बारात की शक्ल में मतदान करने पहुंचा एक परिवार, उत्साहित नजर आया परिवार का हर सदस्य

5 पीढ़ियां ने डाला वोट, नजर आई लोकतंत्र की खूबसूरती

बेधड़क | जोधपुर

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में प्रदेश में शुक्रवार को 13 सीटों पर मतदान हुआ। इस दौरान जोधपुर में लोकतंत्र के इस महापर्व की एक खूबसूरत तस्वी नजर आई।

जब शहर के बौराना परिवार की 5 पीढ़ियों के करीब 50 सदस्य बारात की शक्ल में एक साथ वोट डालने पहुंचे। इस दौरान परिवार के सदस्य पूरी तरह सजे-धजे और धूम धड़ाके के साथ मतदान केंद्र तक पहुंचे। उनके साथ पहली बार वोट डालने वाले युवा वोटर्स से लेकर बुजुर्ग वोटर्स भी साथ रहे। इस बीच मतदान को लेकर बेहद उत्साहित

परिवार के एक सदस्य ने बताया कि हमारा परिवार सुबह करीब 7 बजे साथ में वोट डालने निकला था। इस दौरान पूरे परिवार के करीब 70 लोग एक साथ आए, इनमें फर्स्ट टाइम वोटर्स और बच्चे भी थे। हम साथ में एक ढोल वाले को भी लाए थे।' परिवार के सदस्यों ने बताया कि बच्चों समेत बड़ों में इसे लेकर बहुत उत्साह था।

मतदान के मौके पर हो जाता है मिलन

परिवार के एक अन्य सदस्य ने बताया, 'हमारे दादाजी के परिवार में करीब 80-90 लोग हैं, जो एयरपोर्ट रोड पर रहते हैं और अलग-अलग व्यापार-व्यवसाय करते हैं। लेकिन जब कोई ऐसा समारोह होता है लोकतंत्र का तो पूरा परिवार एक साथ मिलकर वोट देने निकलता है। ताकि मतदान के पर्व में हमारा स्नेह मिलन भी हो जाता है और हम मतदान देकर लोकतंत्र को मजबूत भी बनाते हैं। आगे उन्होंने बताया, 'हम करीब 70 लोग एक साथ वोट देने निकले थे।

एकता का देते हैं परिचय

बारात से तुलना करने पर एक अन्य सदस्य ने कहा कि बारात में तो लोग आगे-पीछे हो जाते हैं, लेकिन हम सब एक साथ मतदान करने निकले। हम लोगों को संदेश भी दे रहे हैं ताकि अन्य लोग भी हमसे प्रेरित होकर वोट डालने जाएं। आज हमने अपना व्यवसाय और प्रतिष्ठान भी बंद रखे हैं। परिवार की महिलाओं ने बताया कि उन्हें इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है, क्योंकि पूरा परिवार एक साथ आता है। इस दौरान हम सजधज कर निकलती हैं। उन्होंने कहा कि हमारे लिए मतदान एक उत्सव व महापर्व की तरह है। वहीं पहली बार वोट डालने वाली परिवार की एक युवा सदस्य ने कहा कि पूरे परिवार का एक साथ आने से हमें बहुत खुशी मिलती है और इस पर बहुत गर्व भी है, क्योंकि ड्रेस कोड करना, साथ में आना, ये सब आज की तारीख में ये हर कोई नहीं कर सकता। हमारे परिवार में एकता है, इसलिए हम सब एकसाथ जाते हैं।

2 बार जीत चुके हैं गजेंद्र सिंह शेखावत

प्रदेश में मतदान के दूसरे चरण में शुक्रवार को बाड़मेर, जोधपुर, जालौर, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, कोटा, टोंक-सवाई माधोपुर, अजमेर, पाली, उदयपुर, राजसमंद, और झालावाड़-बारां लोकसभा सीट पर मतदान हुआ। बागीदौरा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए भी मतदान सम्पन्न हुआ। वहीं जोधपुर सीट पर मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। भाजपा ने यहां से केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को टिकट दिया है, जो कि यहां से 2014 और 2019 में भी चुनाव जीत चुके हैं, वहीं उनके सामने कांग्रेस के करण सिंह मैदान में हैं।

तेज रफ्तार वाहनों से अनूपगढ़ और दौसा में हुए बड़े हादसे

दो सड़क हादसों में 4 महिलाओं सहित 9 की मौत, पसरा मातम

बेधड़क । अनूपगढ

प्रदेश में शुक्रवार का दिन कई घरों में खुशियां छीन ले गया। कई जगहों पर हुए बड़े हादसों में लोगों की लोगों की जान गई तो कई जने घायल हो गए। अनूपगढ़ में जिले में एक क्रूजर कार सामने चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। हादसे में 4 महिलाओं समेत 6 लोगों की मौत हो गई। वहीं दौसा में बेकाबू कार ने 11 लोगों को कुचल दिया। इसमें 3 की मौत हो गई। अनूपगढ़ के हादसे में क्रूजर में 5 लोग एक परिवार के सदस्य थे। क्रूजर सवार किकरावाली से गांव 86 जीबी में अपने रिश्तेदार के घर शोक व्यक्त कर लौट रहे थे। डीएसपी अमरजीत चावला ने बताया कि दोपहर 2:50 बजे नेशनल हाईवे नंबर 911 पर सलेमपुरा से एक किलोमीटर पहले गांव 17 एसजेएम के पास क्रूजर के ड्राइवर ने रायसिंहनगर की ओर जा रहे ट्रेलर को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी दौरान रायसिंहनगर से अनूपगढ़ की ओर एक बस आ रही थी। कार ड्राइवर ओवरटेक नहीं कर पाया और कार सामने चल रहे ट्रेलर से टकरा गई। पुलिस के अनुसार, अनूपगढ़ के किकरावाली निवासी हेतराम (45) पुत्र हनुमान, पत्नी सुनीता (42), भाभी लिछमा देवी (55) पत्नी कृष्ण लाल, विद्या देवी (40) पत्नी देवीलाल, कलावती देवी (48) पत्नी हंसराज और कांता (35) पत्नी मदन लाल क्रूजर में सवार थे। क्रूजर का ड्राइवर रमेश (38) पुत्र शंकर लाल था।

हादसे में 6 की मौत, एक रेफर

हादसे में हेतराम, उसकी पत्नी सुनीता, भाभी लिछमा, कलावती और विद्या ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ड्राइवर रमेश और कांता को गंभीर हालत में अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल लेकर आया गया। जहां रमेश ने दम तोड़ दिया। कांता की हालत गंभीर होने पर उसे श्रीगंगानगर रेफर कर दिया।

एसडीएम व अन्य अधिकारी पहुंचे मौके पर

पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद रमेश और कांता बेहोशी की हालत में थे। वहीं, मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पा रही थी। घायलों को अस्पताल लेकर आए तो वहां स्थित टैक्सी स्टैंड पर मौजूद सभी ड्राइवर अस्पताल पहुंचे और रमेश की पहचान की। इसके बाद मृतकों की शिनाख्त की गई। पुलिस ने 5 मृतकों के शव समेजाकोठी पीएसची की मॉर्च्युरी में रखवाए हैं। हादसे की सूचना मिलने पर एसडीएम अजीत कुमार गोदारा सहित अन्य अधिकारी मौके पहुंचे और मामले की जांच में जुट गए।

बेकाबू कार ने सो रहे 11 को कुचला, 3 की मौत

दौसा। जिले के महुवा कस्बे में गुरुवार देर रात एक कार ने सड़क किनारे झुग्गी में सो रहे 11 लोगों को कुचल दिया। जिससे झुग्गी में सो रहे तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, 8 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर महुवा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को महुवा उपजिला अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल छह लोगों को जयपुर एसएमएस अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद कार चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। इस मामले में परिजनों ने शुक्रवार सुबह मृतकों के शव लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने उचित मुआवजा, स्थायी आवास और कार चालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दरअसल, दौसा जिले के महुवा कस्बे में बीती रात करीब 12 बजे टीकाराम पालीवाल स्कूल निवासी खानाबदोश परिवार के लोग अपनी झुग्गी में सो रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार आई और अनियंत्रित होकर झुग्गी में जा घुसी। इससे झुग्गी में सो रहे लोग कार की तबाही का शिकार हो गए। महुवा थाना प्रभारी जितेन्द्र सोलंकी ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने पर वे मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को महुवा जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने महुवा में स्कूल के पास टीकाराम पालीवाल बस्ती निवासी राजू (50) पुत्र पपीया संतिया, परी (6) पुत्री दिलीप कुमार और अथोरी (60) पत्नी पपीया को मृत घोषित कर दिया।

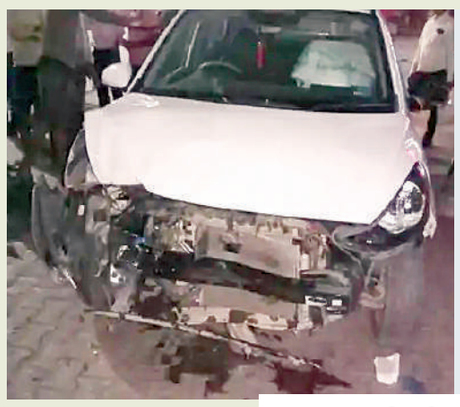

घायलों को जयपुर किया रेफर

डॉक्टरों ने घायल जग्गा (40), शनि (13), शेरू उर्फ मोनू (11), काजल (30), दिलीप (28) और सीमा (25) को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया। महुवा में टीकाराम पालीवाल स्कूल के पास झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले पन्ना की पत्नी उगंता (40) और सतीश की बेटी प्रिया (7) का फिलहाल महुवा जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

विधायक ने ली जानकारी

घटना की सूचना मिलने पर महुवा विधायक राजेंद्र मीना भी मौके पर पहुंचे। ऐसे में प्रशासन और विधायक परिजनों को समझाइश की। हादसे में मृतकों के शवों को मोर्चरी में रखवाया गया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। दुर्घटना के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। अधिकारी कार नंबर के आधार पर चालक की तलाश कर रहे हैं। साथ ही कार को भी जब्त कर लिया गया है।

बूंदी में गिरी आकाशीय बिजली

मौसम ने बरपाया कहर, 4 की मौत

बेधड़क | बूंदी

प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर कहर बरपाया है ली है। मौसम के चलते बूंदी के डाबी क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर आकाशीय बिजली गिरने से पेड़ के नीचे खड़े तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि हाई टेंशन लाइन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई।

डाबी एसएचओ अनिल जोशी ने बताया कि शुक्रवार को लोकसभा चुनावों के दौरान मतदान करने के बाद कुछ लोग डाबी क्षेत्र मे गुजरघाटा पटपडिया की तरफ आए थे। इसी दौरान मौसम बदल गया। बरसात और आंधी से बचने के लिए तीन लोग एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए। इसी दौरान आकाशीय उनके ऊपर गिर गई। मौके पर तीनों की मौत हो गई। वहीं, चार लोग घायल हो गए। चारों मृतक चतरा पुत्र अमरा भील, देवा पुत्र पेमा भील, सोहन पुत्र कान्हा भील, सभी गुजरकला थाना भैंसरोडगढ के निवासी है।

दूसरी ओर, भगवान पुरा में सुगना बाई पति गोरू लाल कराड की हाई टेंशन लाइन गिरने से मौत हो गई। ग्रामीणो ने बताया कि तेज आंधी के चलते बिजली का तार टूटकर महिला पर गिर गया।

हादसे के बाद बिजली विभाग को सूचना भी दी थी, लेकिन काफी देर तक मौके पर कोई नहीं पहुंचा तब तक महिला की मौत हो चुकी थी। पुलिस मृतकों के शव के पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई में जुटी है।

मछली पकड़ने गए पिता-पुत्र समेत चार डूबे, मौत

पाली। जिले के नाणा थाना क्षेत्र के चामुंडेरी गांव में तालाब में मछली पकड़ने गए एक ही परिवार के चार लोगों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया- चामुंडेरी गांव के दिनेश कुमार वाल्मीकि (40) अपने पुत्र गौरव (17), अरमान (15) और भांजे मोहित (15) पुत्र विनोद कुमार के साथ गुरुवार रात करीब 11 बजे चट्टानी पहाड़ों के बीच स्थित तालाब में जाल लेकर मछली पकड़ने गए थे। इस दौरान फिसलन होने से चारों लोग गहरे पानी में चले गए। एक-दूसरे को बचाने के फेर में चारों पानी में डूब गए। शुक्रवार सुबह ग्रामीणों ने तालाब में दिनेश कुमार वाल्मीकि का शव तैरता देख परिजनों और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शुक्रवार सुबह 9 बजे रेस्क्यू शुरू किया। करीब छह घंटे बाद दोपहर 3 बजे तक एक-एक कर चारों शव तालाब से बाहर निकाले गए। एक ही परिवार के चार लोगों की तालाब में डूबने से मौत की खबर पाकर मौके पर ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। पुलिस ने चारों शव मॉर्च्युरी में रखवाए हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।

भिवाड़ी में बिजली निगम की लैब में मीटर जांचने के उपकरण की कमी

छह साल बाद भी रफ्तार नहीं पकड़ पा रही है बिजली मीटर लैब

बेधड़क | भिवाड़ी

उद्योग क्षेत्र में विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता कार्यालय का शुभारंभ हुए सालभर होने वाला है। लेकिन बिजली संबंधी कामों में तेजी आने की उम्मीद धीमी है। यहां अभी-अभी भी यहां पर जरूरी संसाधनों का अभाव है। छह साल बाद भी यहां मीटर लैब का संचालन सुचारू नहीं हो सका है।

गत वर्ष दिसंबर में कुछ उपकरण लाए गए लेकिन वे नाकाफी ही साबित हो रहे हैं। लैब में उपकरणों की कमी होने से नये खुले सर्किल के लाखों उपभोक्ताओं को अलवर जाकर काम कराना पड़ता है। जिसमें समय और श्रम दोनों बर्बाद होते हैं।

2018 में मिली थी मंजूरी

भिवाड़ी क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं की परेशानी देखते हुए चेयरमेन आरजी गुप्ता ने एक अप्रेल 2018 को री स्ट्रकचरिंग के तहत लैब शुरू करने के आदेश दिए थे। लैब शुरू होने के बाद मीटर, सीटीपीटी, एलटीसीटी की जांच यहां होनी थी। अभी तक यह जांच अलवर में होती हैं। गत वर्ष दिसंबर में एक-दो मशीन आई। जिनसे एलटीसीटी की जांच शुरू हुई है, हाल ही में सीटीपीटी 11 केवी की जांच भी शुरू हो गई है। लेकिन मीटर जांच की सुविधा अभी तक शुरू नहीं हो सकी है। मीटर की जांच के लिए उपभोक्ताओं को अभी भी अलवर जाना पड़ रहा है। मीटर की जांच औद्योगिक और व्यावसायिक उपभोक्ता को लगाने से पहले करानी होती है।

लैब का हो पूरा उपयोग

अभी तक लैब में एलटीसीटी और सीटीपीटी उपकरण की ही जांच हो रही है। अन्य सभी जांच अलवर में हो रही हैं। इतनी लंबी अवधि के बाद घोषणा पूरी हुई लेकिन उसका पूरा लाभ स्थानीय उपभोक्ताओं को नहीं मिल पा रहा है। लैब से करीब 2.70 लाख उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलनी है। अब भिवाड़ी सर्किल का भी गठन हो चुका है, सर्किल के लिहाज से लैब का खासा महत्व होता है।

लैब इसलिए होती है जरूरी

पूर्ण रूप से लैब चालू होने से उपभोक्ता को परेशान नहीं होना पड़ेगा, यहीं जांच हो जाएगी। क्षेत्र के संदिग्ध मीटर की जांच लैब में हो जाएगी। एसआईपी के नए मीटर की लैब में जांच होती है, तभी उन्हें बड़े उपभोक्ताओं के यहां लगाया जाता है। अगर लैब शुरू हो जाए तो सिंगल फेज के मीटर की जांच भी यहीं शुरू हो जाएगी। भिवाड़ी सर्किल के पौने दो लाख उपभोक्ता हैं, भिवाड़ी उपखंड में राजस्व भी अच्छा मिलता है, इसलिए यहां लैब की जरूरत है। वहीं मामले में एक्सईएन, एमएंडपी सियाराम कोली कहना है कि लैब में एलटीसीटी और सीटीपीटी की जांच शुरू हो गई है। उसके लिए यहां मशीन आ चुकी हैं। मीटर की थ्री फेज टेस्टिंग बेंच नहीं है, उसके आते ही मीटर की जांच शुरू कर दी जाएगी।

नाबालिग से छेड़छाड़ आरोपी गिरफ्तार

जयपुर/चूरू। रतनगढ़ थाना इलाके में करीब एक सप्ताह पहले दुकान में टॉफी लेने गई नाबालिग बच्ची के साथ छेड़छाड़ कर अश्लील हरकत करने के मामले में पुलिस ने आरोपी सागर अली उर्फ असगर अली मुगल निवासी रतनगढ़ को दस्तयाब कर गिरफ्तार कर लिया है। एसपी जय यादव ने बताया कि 20 अप्रैल को थाना रतनगढ़ क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दी कि उसकी नाबालिग बेटी सामान लेने के लिए पास ही में दुकान पर गई थी। आरोपी दुकानदार सागर अली ने टॉफी का लालच देकर अश्लील हरकत की और किसी को नहीं बताने के लिए धमकी दी। रिपोर्ट पर आईपीसी कि संबंधित धाराओं व पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान एसएचओ दिलीप सिंह ने शुरू किया गया।

विवेकानन्द ग्लोबल यूनिवर्सिटी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ... जुटे विद्धजन

बदलते दौर में परंपराओं से सीखने की जरूरत

भारतीय ज्ञान प्रणालियों के विभिन्न आयामों, विधाओं और महत्व पर चिंतन

देश भर के शिक्षाविद, विषय विशेषज्ञ और शोधकर्ता जुटे

बेधड़क | जयपुर

विवेकानन्द ग्लोबल यूनिवर्सिटी (वीजीयू) में शुक्रवार को अनुभूति ए जर्नी थ्रू इंडियन नॉलेज सिस्टम्स थीम पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। जिसमें देश भर के शिक्षाविदों, विषय विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने भारतीय ज्ञान प्रणालियों की वर्तमान दौर में प्रासंगिकता योगदान और पारंपरिक शिक्षा और जीवन, कला और संस्कृतिक मूल्यों के प्रति नजरिया आदि विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की और अपने अनुभव साझा किए।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) और वीजीयू प्रबंधन संकाय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन वीजीयू के वाइस चेयरपर्सन डॉ. के आर बगरिया, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एडीएन बाजपेयी वीजीयू के पूर्व कुलपति प्रो. वीर विजय सिंह ने किया। अपने उद्गार व्यक्त करते हुए प्रोफेसर बाजपेयी ने कहा कि आज हम हमारी सभ्यता भूलकर पाश्चात्य संस्कृति को अपना रहे हैं। हमारा जो नॉलेज सिस्टम है उसको छोड़कर हम दूसरी तरफ डाइवर्ट हो रहे हैं। हमारे जो रीति रिवाज हैं, जो हमारी परंपराएं हैं, जो हमारी जड़े हैं, उनको भूलकर हम जिस तरीके से भटक रहे हैं, खासकर युवा वर्ग दूसरी संस्कृतियों को अपना रहे हैं। इन सबको छोड़कर हमें अपनी संस्कृति पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें हमारी पहचान हमारे अस्तित्व को बनाकर रखना है साथ ही हमारे धर्म की अस्मिता की और वेद उपनिषद की जो उपयोगिता है उसे भी बचाकर रखना चाहिए। इस अवसर पर डा. के आर बगडिया ने कहा कि प्रसन्न्ता ही जीवन का उदेश्य है। हमारा ज्ञान पुस्तकों या मंदिरों के बजाय अंतकरण में होना चाहिए।

हमारी परंपरा समृद्ध है और ज्ञान की कुंजी है। बुनियादी ज्ञान यानि भारतीय ज्ञान प्रणाली से युवा पीढी को परिचित करना आज की आवश्यकता है जो उनके जीवन और भविष्य को नई दिशा प्रदान करने में मददगार साबित होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में शिक्षाविद साहित्य प्रेमी शोधार्थी एवं विद्यार्थी अपने विचारों और अनुभवों को साझा करेंगे जो भारतीय ज्ञान और शिक्षा प्रणाली के उन्नयन और चिंतन को नई दिशा देगा।

भारतीय ज्ञान के रहस्यों को जानने की जरूरत

वीजीयू के पूर्व प्रेसीडेंट प्रो विजय वीर सिंह ने कहा कि भारतीय ज्ञान के ऐसे कई रहस्य हैं जिनके बारे में जानने, शोध करने और परखने की बहुत जरूरत है। भारतीय ज्ञान परंपरा यह एक प्राचीन समय से चलती आई भारतीय शिक्षा व्यवस्था है। विभिन्न संस्कृतियों और सभ्यताओं की आलोचना करने या अस्वीकार करने के बजाय एक ज्ञान की विभिन्न शाखाओं से सीखने, जानने और अनुभवों का आदान प्रदान करने, पारस्परिक रूप से समृद्ध होने का दृष्टिकोण विकसित करने की जरूरत है। वीजीयू के सीईओ इंजि ओकार बगरिया ने कहा कि भारतीय संस्कृति सदैव साहित्यिक, व्यावसायिक, धार्मिक और आध्यात्मिक भावनाओं से प्रेरित रही है। आज के समय की जरूरतों के अनुसार भौतिक संसाधन और प्रगति आवश्यक है, लेकिन हमारे समाज का विकास अपनी विरासत को संरक्षित करने और उसके निरंतर विकास और समृद्धि से ही संभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली वैदिक साहित्य, वेदों और उपनिषदों पर आधारित है। जो ज्ञान के भंडार माने जाते हैं। वर्तमान समाज के संदर्भ में इस क्षेत्र में उभरती नई प्रवृतियां और शोध की बेहतर संभावनाएं तराशने की जरूरत है।

सभी का जीवन वेदों-पुराणों से प्रभावित

एमजीएस युनिवर्सिटी बीकानेर की पूर्व कुलपति प्रो चंद्रकला पांड्या ने कहा कि हम सभी का जीवन वेदों या पुराणों से प्रभावित है। वर्ण व्यवस्था को लोगों ने राजनीति और जातिवाद से जोड़ दिया जिसका खामियाजा हमने सहन किया है। वेदों में भी कहा गया है कि जन्म से कोई बड़ा या छोटा नहीं होता है। अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए जाति और धर्म के आधार पर विभाजन कर दिया। उन्होंने समाज में कला. भाषा, शिक्षा व्यवसाय और संस्कृति का संयोजन व्यकित को नवनिर्माण की ओर उन्मुख करता है और विकास का मार्ग भी प्रशस्त करता है। इनके माध्यम से शैक्षिक तथ्यों का संवर्धन होता है, हमारी नई पीढ़ी सांस्कृतिक मूल्यों से सहजता से परिचित होती है। वीजीयू प्रो-प्रेसीडेंट, एकेडेमिक प्रो संतोष कुमार ने कहा कि सदियों से से विश्व की कई संस्कृतियों और सभ्यताओं ने ऐसी ज्ञान प्रणालियों को विकसित करने का प्रयास किया है। भारतीय संस्कृति और सभ्यता इसका एक उदाहरण है, जिसने न केवल अपनी ज्ञान प्रणाली विकसित की ओर उसे सुधारा बल्कि सत्यापित किया। इसी की बदौलत भारत विश्व गुरू कहलाया। उन्होंने कहा कि एक समग्र और मानवीय ज्ञान प्रणाली उसे कहा जाता है जो मानव को सदभाव से जीने के लिए समझ और स्पष्टता सुनिश्चित करती है।

चारों वेदों में हर बात का सार

प्रो-प्रेसीडेंट, रिसर्च प्रो डीवीएस भगवानुलु ने कहा कि हमारे वेदों में जो ज्ञान है वह ज्ञान कहीं और नहीं मिलेगा चाहे हमारे जो धर्म में चार वेद जो बताए जाते हैं, उन चारों वेदों में हर चीज का सार है जीवन की सार्थकता है। सेमीनार में देश भर से जुटे शिक्षा विदों और विषय विशेषज्ञों ने भारतीय ज्ञान प्रणाली के विभिन्न पहलुओं, प्राचीन भाषाओं और कला व संस्कृति में निहित वैज्ञानिक तर्क, तार्किक क्षमता, अनुसंधान संभावनाओं के नए आयामों पर गहन चिंतन करेंगे। इससे छात्र, शोधकर्ता और बुद्धिजीवी निश्चित रूप से भारतीय ज्ञान प्रणाली के माध्यम से नया सीखने और अपने ज्ञान का विस्तार करने में सक्षम होंगे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य सर्वांगीण स्तर पर शिक्षाविदों एवं विशेषज्ञों को एक मंच पर लाना, उनके ज्ञान, विचारों, शोध के नये आयामों से परिचित कराना तथा शिक्षा एवं अनुसंधान में नवीनता का संचार करना, उन माध्यमों से परिचित कराना है जो इसका माध्यम बनेंगे।

Yuva स्टोरीज

जेईई मेन-2024 परिणाम

जेईई-मेन में एलन जयपुर के यशनील सिटी टॉपर

बेधड़क | जयपुर

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जेईई मेन 2024 के परिणामों में एक बार फिर एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के स्टूडेंट्स ने श्रेष्ठता साबित की है। एलन जयपुर के मेटोर और सीएओ सीआर चौधरी ने बताया कि अब तक देखे गए परिणामों में एलन स्टूडेंट नील कृष्ण ने आल इंडिया टॉप किया है। इसके साथ ही टॉप-5 में एलन के 3 स्टूडेंट्स ने स्थान प्राप्त किया। वहीं एलन जयपुर के टॉप-150 में एलन जयपुर के तीन स्टूडेंट्स रहे हैं। यशनील रावत ने 100 पर्सेन्टाइल के साथ आल इंडिया रैंक-45 प्राप्त कर सिटी टॉप किया है। इसके साथ ही सक्षम खंडेवाल ने एआईआर-117 प्राप्त कर दूसरे सिटी टॉपर तथा पलाक्ष गोयल रैंक 122 के साथ तीसरे सिटी टॉपर रहा है। एलन जयपुर के 14 स्टूडेंट्स ने 99 से अधिक पर्सेन्टाइल स्कोर किया है। एलन जयपुर के टॉप-500 में 6, टॉप-1000 में 14. टॉप-1500 में 23, टॉप-2000 में 32, ऑप-3000 में 54, टॉप-5000 में 76, टॉप-10000 में 135 स्टूडेंट्स शामिल है। नेशनल रिजल्ट्स में एलन के दो वर्ष से क्लासरूम स्टूडेंट नीलकृष्ण ने आल इंडिया टॉप किया है। वहीं रैंक-2 पर भी एलन के क्लासरूम स्टूडेंट दक्षेस संजय मिश्रा व रैंक 4 पर भी एलन के क्लासरूम स्टूडेंट आदित्य कुमार रहे। इसके साथ ही टॉप-100 में 34 स्टूडेंट्स ने स्थान बनाया है। 19 स्टूडेंट्स ने ओवरआल 100 पर्सेन्टाइल स्कोर किया है। 100 पर्सेन्टाइल प्राप्त करने वालों में नीलकृष्ण, दक्षेश मिश्रा, आदित्य कुमार, मोहम्मद सुफियान, हिमांशु, अक्षत चपलोत, मीतविक्रम भाई, प्रियांश प्रांजल, हिमांशु यादव, सनवी जैन, सायना सिन्हा, विषारद श्रीवास्तव, सायना विनित मुकुंद, हर्षल कानानी, यशनील रावत, इशान गुप्ता, प्रवण पाटिल, अर्चित राहुल तथा आदेशवीर सिंह शामिल हैं।

नन्हे मुन्ने बच्चों ने की पूल पार्टी

जयपुर। जयपुर के करतारपुरा स्थित किड्स पैराडाइज स्कूल में चिलचिलाती गर्मी में शुक्रवार को पूल पार्टी का आयोजन हुआ। जिसमें स्कूल की कक्षा प्री नर्सरी और नर्सरी के नन्हें मुन्ने बच्चों ने हिस्सा लिया। बच्चों ने पूल पार्टी में जहां आज ब्लू है पानी पानी आदि गानों पर पानी के अंदर जमकर मस्ती की। पूल पार्टी के दौरान कुछ बच्चों ने रंग बिरंगी स्विमिंग सूट पहनकर इसमें भाग लिया। बच्चों ने पूल पार्टी का जमकर लुफ्त उठाया। स्कूल के डायरेक्टर महेंद्र हिंगोनिया ने बताया कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ अन्य कार्यक्रमों में भी हिस्सेदारी होनी चाहिए। इससे बच्चों में मानसिक और शारीरिक दोनों का विकास होता है।

IPR एंड इनोवेशन इकोसिस्टम पर सम्मेलन

अनुकूल वातावरण, नवाचार को बढ़ावा देने पर दिया जोर

बेधड़क | जयपुर

विश्व बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) दिवस पर एसकेआईटी एम एंड जी जयपुर के आईपीआर सेल ने नेविगेटिंग द फ्यूचरः आईपीआर एंड इनोवेशन इकोसिस्टम शीर्षक से एक अंतर्दृष्टिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की।

बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम विश्व बौद्धिक संपदा दिवस 2024 के लिए डब्ल्यूआईपीओ द्वारा घोषित आधिकारिक थीम पर केंद्रित है। कार्यक्रम में केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान के कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव और वेरिस्पायर कॉर्प, यूएसए के डायरेक्टर डॉ. मोहित गंभीर सहित कई अतिथि उपस्थिति रहे।

सम्मेलन की शुरुआत एसकेआईटी जयपुर के निदेशक जयपाल मील द्वारा प्रतिभागियों और अतिथियों के स्वागत के साथ हुई। जिसमें नवाचार-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया गया। अकादमिक निदेशक प्रोफेसर एस एल सुराणा ने नवाचार की जटिलताओं को समझने में अंतर्दृष्टि प्रदान की।

आईपीआर सेल की संयोजका डॉ. सविता चौधरी ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने में सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर आनंद भालेराव और डॉ. मोहित गंभीर ने भविष्य को आकार देने में नवाचार और बौद्धिक संपदा की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए अपनी विशेषज्ञता साझा की। डॉ. पुनीत शर्मा द्वारा संचालित आईपी और एसडीजीः नवाचार और रचनात्मकता के साथ हमारे सामान्य भविष्य का निर्माण विषय पर एक प्रेरक पैनल चर्चा में डॉ. भारती जैन, प्रतीक श्रीवास्तव और डॉ. जितेंद्र शर्मा जैसे विशेषज्ञों का आकर्षक योगदान रहा। उपस्थित लोगों ने उज्जवल भविष्य के लिए नवाचार का लाभ उठाने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त की।

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी को मिली A+ ग्रेड

बेधड़क | जयपुर

हेल्थ साइंसेज श्रेणी में अग्रणी जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय मूल्याकन और प्रत्यायन परिषद द्वारा गुणवत्तापूर्ण और उल्कृष्ट शिक्षा के लिए A+ग्रेड दी गई है। राष्ट्रीय मूल्याकन और प्रत्यायन परिषद की टीम ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षण संबंधी अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया।

इसके साथ परिषद की टीम द्वारा पाठ्यक्रम इंफ्रास्ट्रक्चर अनुसंधान नवाचार तथा आउटरीच गतिविविधी संबंधी मानदण्डों पर विश्वविद्यालय का मूल्यांकन कर सराहना की। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी कुलाधिपति डॉ संदीप बख्शी ने इस महत्वपूर्ण अवसर पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शिक्षकों अशैक्षणिक कर्मचारियों, विद्यार्थियों, विद्यार्थियों के अभिभावकों व भूतपूर्व विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी। डॉ. बख्शी ने कहा कि विश्वविद्यालय का ए+ ग्रेड यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय ने शिक्षण अधिगम अनुसंधान नवाचारः बुनियादी ढांचे, छात्र सहायता सेवाओं, प्रबन्धन और सामुदायिक जुड़ाव सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

सख्ती | राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने आवेदन वापस लेने का दिया एक और मौका

प्रतियोगी परीक्षा में फर्जी दस्तावेज पेश करने वालों की खैर नहीं

बेधड़क | जयपुर

नकल पर नकेल कसने के साथ-साथ अब राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने फर्जी दस्तावेज पर भी सख्ती दिखाई है। बोर्ड ने बिना शैक्षणिक योग्यता और सर्टिफिकेट के फर्जी दस्तावेज लगाते हुए आवेदन करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की चेतावनी दी है। हालांकि, ऐसे आवेदकों को एक मौका भी दिया है कि वे 26 अप्रैल से 2 मई के बीच अपने आवेदन वापस ले लें, अन्यथा उनके खिलाफ बोर्ड कार्रवाई करेगा। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आगामी दिनों में 10 भर्ती परीक्षा आयोजित कराई जानी है। इनके आवेदन बोर्ड की ओर से आमंत्रित किए गए थे, लेकिन प्रतियोगी परीक्षाओं में फर्जी डिग्री और फर्जी सर्टिफिकेट के बढ़ते मामलों को मद्देनजर रखते हुए बोर्ड ने एक कड़ा फैसला लेते हुए ऐसे अभ्यर्थियों को भर्ती परीक्षा से स्वतः आवेदन वापस लेने के निर्देश दिए हैं। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि किसी भी अभ्यर्थी के फर्जी दस्तावेज पाए जाते हैं तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष मेजर जनरल आलोक राज ने बताया कि बीते दिनों हुई पीटीआई और तृतीय श्रेणी शिक्षक सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की ओर से फर्जी दस्तावेज पेश करने के मामले सामने आए थे, जिसके बाद अब ये नया नियम लागू किया गया है।

26 अप्रैल से 2 मई के बीच आवेदन वापस

आगामी दिनों में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से 10 भर्ती परीक्षा आयोजित कराई जा रही है। ऐसे में जिन अभ्यार्थियों ने फर्जी दस्तावेज लगाकर आवेदन किया है, उन्हें एक अंतिम मौका दिया जा रहा है कि वो 26 अप्रैल से 2 मई के बीच अपनी एसएसओ आईडी से आवेदन वापस ले लें। इसके बाद भी यदि अभ्यर्थी नहीं चेतता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे अभ्यर्थियों की वजह से भर्ती परीक्षा होने के बाद भी नियुक्ति प्रक्रिया में समय लग जाता है और योग्य अभ्यर्थियों को इसका खमियाजा भुगतना पड़ता है। साथ ही फर्जी दस्तावेज रखने वाले अभ्यर्थियों के परीक्षा में शामिल होने से अभ्यर्थियों की संख्या भी बढ़ती है और व्यवस्थाओं को लेकर परीक्षा पर अतिरिक्त खर्च भी करना पड़ता है।

इन पदों पर होनी है परीक्षा

आगामी दिनों में 5934 पदों पर पशु परिचर भर्ती परीक्षा, 176 पदों पर पर्यवेक्षक महिला अधिकारिता सीधी भर्ती परीक्षा, 335 पदों पर सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग में छात्रावास अधीक्षक ग्रेड II सीधी भर्ती, 202 पदों पर महिला पर्यवेक्षक सीधी भर्ती (आंगनबाड़ी), 112 पदों पर अल्पसंख्यक मामलात विभाग में छात्रावास अधीक्षक भर्ती, 209 पदों पर महिला पर्यवेक्षक सीधी भर्ती परीक्षा होनी है। इसी प्रकार 4197 पदों पर लिपिक ग्रेड सेकंड कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती, 474 पदों पर शीघ्र लिपिक निजी सहायक ग्रेड II, 679 पदों पर कनिष्ठ अनुदेशक सीधी भर्ती और 1821 पदों पर कनिष्ठ अनुदेशक (16 ट्रेड) सीधी भर्ती परीक्षा होनी है। ऐसे में इन परीक्षाओं में फर्जी दस्तावेज पेश करने वाले अभ्यार्थियों को परीक्षा में शामिल होने से रोकने के लिए ये नया नियम लागू किया गया है।

सवाल संवैधानिक... लेकिन मुद्दा एकदम चुनावी!

प्रेम प्रकाश
स्वतंत्र टिप्पणीकार

मतदान प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ने के साथ मौजूदा लोकसभा चुनाव को लेकर स्थितियां अब ठोस शक्ल लेने लगी हैं। इस चुनाव को जिन मुद्दों के इर्द-गिर्द लड़े जाने की पक्ष-विपक्ष की तैयारी थी, अब उसकी वास्तविक स्थिति सामने है। देखना दिलचस्प है कि चुनाव घोषणा और उसके बाद के नाटकीय घटनाक्रम भारतीय राजनीति को आज उन मोर्चों पर ले आई है, जिसमें लोकतंत्र को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

इस सवाल के सिरे निर्वाचन आयोग के कामकाज से लेकर संविधान की रक्षा तक सब तरफ एक साथ खुले हैं। बड़ी बात यह कि सत्तारूढ़ भाजपा और उसके खिलाफ गोलबंद विपक्ष दोनों को आज इस मुद्दे को आगे करके चुनाव लड़ना मुफीद लग रहा है। इस बारे में और आगे बढ़कर कहें तो यह भी अच्छा ही है भारतीय जनतंत्र आज इस सवाल को स्वीकार करने की स्थिति में है कि उसकी जड़ें और उससे जुड़े सरोकार मजबूत होने चाहिए। इनकी कमजोरी जनता से लेकर सियासी जमात तक सबको बराबर का खतरा लगा रहा है। इस बारे में और गहराई से बात करने के लिए तारीखी गोता लगाना होगा, क्योंकि तभी बात को तात्कालिकता से आगे बढ़ने के धैर्य के साथ देख-समझ पाएंगे। इतिहास में लौटें तो हम पाएंगे कि स्वाधीनता आंदोलन के बाद भारतीय नेतृत्व ने जो सबसे बड़ा विवेक दिखाया, वह है संविधान का निर्माण। संविधान सभा की बैठकें और इस दौरान होने वाली बहस आज भी कई मुद्दों पर हमारा मार्गदर्शन करती हैं। सवाल भाषा और संस्कृति का हो कि संघवादी ढांचे का, संविधान सभा में किए गए विचार और फिर संविधान में उन पर बनी लिखित सहमति असाधरण है। दुनिया भर में राज व्यवस्था और संविधान को लेकर हाल के दशक में जो भी विमर्श खड़े हुए हैं, उसमें भारत की राजनीति और उसकी संवैधानिक प्रतिबद्धता ने बड़ी भूमिका निभाई है। यही कारण है कि आजादी के बाद समाजवादी दौर का राजनीतिक हस्तक्षेप हो या बाद में अस्मिता की राजनीति का मंडलवादी दौर, सबके पीछे भारतीय संविधान की प्रेरणा और ताकत रही। इस कारण बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की राजनीतिक और वैचारिक प्रासंगिकता भी लगातार बढ़ती गई।

> *नागपुर में जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर चुनाव जीतने के बाद संविधान बदलने का सीधा आरोप लगाया तो गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने आगे बढ़कर इसका पलटवार किया। नागपुर में दिए उनके बयान की गूंज जब तक पूरे देश तक पहुंचती, उससे पहले नागपुर में ही सावंत ने कांग्रेस अध्यक्ष को आड़े हाथों ले लिया। उन्होंने संविधान और लोकतंत्र को लेकर कांग्रेस के दागी इतिहास के बारे में भी देश के लोगों को समझाने का प्रयास किया।*

राजनीति की कोई भी धारा या जमात इस प्रासंगिकता को खारिज करने का दुस्साहस अगर आज भी नहीं कर पाती, तो यह बड़ी बात है। कभी मंडल और कमंडल की चुनावी भिड़ंत देखने वाले देश ने वो दौर भी देखा, जब भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने डॉ. आंबेडकर को भारत रत्न देकर अपनी राजनीतिक मर्यादा और विचारधारा को दूरदर्शी मजबूती दी, उसे बड़ा सामयिक आधार दिया। इसमें कहीं दो राय नहीं कि 2024 के लोकसभा चुनाव को भविष्य में अगर मुद्दों के लिहाज से परखा जाएगा तो लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का सवाल एक बड़े मुद्दे के तौर पर रेखांकित होगा। इस मुद्दे पर तमाम दलों और उनके नेताओं के बयान रोज आ रहे हैं। पक्ष-विपक्ष का पूरा राजनीतिक समीकरण इस मुद्दे के आसपास ही आकार ले रहा है। यह स्थिति इस चुनाव की अहमियत को भी रेखांकित कर रहा है। अलबत्ता, भारत में हो रहे लोकसभा चुनाव में उठ रहे मुद्दे को वैश्विक लिहाज से भी देखना जरूरी है। गौरतलब है कि कोविड बाद के दौर में चीन, रूस और उत्तर कोरिया की आपवादिकता तब मायने नहीं रखने लगी जब लोकतंत्र को लेकर चिंता अमेरिका, ब्राजील, जर्मनी, फ्रांस और इंग्लैंड जैसे देशों में भी बढ़ने लगी। इन देशों में जनता इस दौरान बार-बार सड़क पर उतरी। भारत की स्थिति इस लिहाज से बेहतर और मजबूत है कि पूरे ग्लोब पर वह लोकतंत्र का अकेला ऐसा मॉडल है, जो आजादी के बाद से लगातार लोकतंत्र से जुड़े सरोकारों पर खरा उतरा है। पाकिस्तान, श्रीलंका, म्यांमार और अफगानिस्तान में चुनाव और लोकतांत्रिक शासन पद्धति का हश्र इस पूरे उपमहाद्वीप में भारत की साख और महत्व को आज नई ऊंचाई दे रहा है।

बहरहाल, बात मौजूदा चुनावी संदर्भ की करें तो कुछ बातों की टाइमलाइन गहरी आशंका को जन्म देती है। बीते कुछ समय में अंतरराष्ट्रीय मीडिया जगत में भारत की न्याय प्रक्रिया और लोकतंत्र पर आई प्रतिक्रिया अनायास न होकर काफी हद तक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा है। यह कैसे संभव है कि कुछ महीने पहले भारतीय लोकतंत्र और उसके नेतृत्व को लेकर जो न्यूयॉर्क टाइम्स से लेकर ब्लूमबर्ग और बीबीसी तक प्रशंसा और उत्साह से भरी बातें कह रहे थे, वही अब विरोधाभासी राग अलाप रहे हैं। खासतौर पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के भ्रष्टाचार मामले में जेल जाने के मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय मीडिया जगत की प्रतिक्रिया हतप्रभ करने वाली है। सराहना करनी होगी नरेंद्र मोदी और उनके दल की कि इस चुनाव में लोकतंत्र और संविधान को लेकर उठ रही आशंकाओं को वे मुखरता के साथ निर्मूल साबित करने में जुटे हैं। एक के बाद एक चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री कह रहे हैं हमारा संविधान हमारे लोकतंत्र की प्राणशक्ति है। संविधान को बदलने, इसे खारिज करने और नया संविधान लाने की बात वे लोग कर रहे हैं, जो भारत के विकास और समृद्धि को लेकर न तो कोई विजन जनता के सामने रख पा रहे हैं और न ही चुनावी गणित को अपने पक्ष में करने का उनके पास कोई दूसरा कारगर मुद्दा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

धर्म के आधार पर आरक्षण

पीएम का आरक्षण में सेंधमारी पर हमला

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धर्म के आधार पर पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों को मिलने वाले आरक्षण में सेंधमारी करने के संविधान विरोधी प्रयासों पर बड़ा हमला बोला है। कांग्रेस के तुष्टिकरण के प्रयासों पर सीधी लकीर खींचते हुए मोदी ने कांग्रेस से सवाल किया है कि 'क्या कांग्रेस यह ऐलान करेगी कि वे संविधान में पिछड़ों, दलितों और आदिवासियों के आरक्षण को कम करके इसे मुसलमानों को नहीं बांटेगी? 2004 में जैसे ही कांग्रेस की केंद्र में सरकार बनी तब उसके सबसे पहले किए गए कार्यों में से एक आंध्र प्रदेश में एससी व एसटी आरक्षण को कम कर इस कोटे में मुसलमानों को आरक्षण देने का प्रयास था। कांग्रेस की सोच हमेशा से तुष्टिकरण और वोट-बैंक की राजनीति की रही है। यह कांग्रेस का 'पायलट प्रोजेक्ट' था, जिसे कांग्रेस पूरे देश में आजमाना चाहती थी। 2004 से 2010 के बीच में कांग्रेस ने चार बार आंध्रप्रदेश में मुस्लिम आरक्षण लागू करने की कोशिश की थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की जागरूकता के कारण वे अपने मंसूबे पूरे नहीं कर पाए? साथ ही उन्होंने एक बार फिर आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा-पत्र में लोगों का धन छीनकर अपने 'खास' लोगों को बांटने की साजिश रची है। मोदी ने कांग्रेस पर यह अत्यंत तल्ख टिप्पणी राजस्थान के टोंक जिले में एक चुनावी जनसभा में कही।

प्रधानमंत्री ने टोंक की जनसभा में आरक्षण को लेकर जो टिप्पणी की है, वह संपूर्ण सत्य है। अल्पसंख्यक बनाम मुस्लिमों को पिछड़ों, दलित और आदिवासियों के संविधान में निर्धारित कोटा के अंतर्गत 4.5 प्रतिशत आरक्षण देने की केंद्र सरकार की मंशा रही थी। लेकिन न्यायालय के हस्तक्षेप के चलते इस मंशा को पलीता लग गया था।

इस आरक्षण को लेकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के बाद देश की सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले के विरुद्ध दायर आपील को खरीज कर दिया था। केंद्र सरकार इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से स्थगन आदेश चाहती थी। इस मंशा के विपरीत कोर्ट ने सरकार से यह और स्पष्ट करने को कहा था कि वह बताए की उसने किस आधार पर अल्पसंख्यकों को 4.5 फीसदी आरक्षण देने का फैसला लिया? कोर्ट ने यह भी कहा कि इस तरह तो कोटे में उप कोटा आरक्षित करने का सिलसिला चलता रहेगा।

दरअसल आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट ने धर्म के आधार पर आरक्षण का लाभ संविधान के विरुद्ध बताया था। वर्तमान में दिसम्बर 2011 के बाद से शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में ओबीसी वर्ग को 27 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है, लेकिन केंद्र सरकार ने कुटिल चतुराई से ओबीसी के कोटे में खासतौर से मुस्लिमों को लुभाने के लिए 4.5 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने का प्रावधान कर दिया था। इसे आंध्र उच्च न्यायालय ने अस्वीकारते हुए साफ किया था कि कोटा के अंतर्गत उप कोटा दिए जाने का प्रावधान अल्पसंख्यकों को लुभाने के लिए दिया गया है। इसे कानूनी रूप देते हुए कहा गया है कि 'अल्पसंख्यकों से संबंधित' और 'अल्पसंखयकों के लिए' जैसे वाक्यों का जो प्रयोग किया गया है वह असंगत है, जिसकी कोई जरूरत नहीं है। इस फैसले का व्यापक असर होना तय था। क्योंकि यह प्रावधान आईआईटी जैसे केंद्रीय शिक्षण संस्थानों में भी लागू हो गया था। बहरहाल न्यायालय के फैसले के बाद कांग्रेस का मुस्लिमों को लुभाने वाले नुस्खे पर पानी फिर गया था। वंचित समुदाय वह चाहे अल्पसंख्यक हों अथवा गरीब सवर्ण उनको बेहतरी के उचित अवसर देना लाजिमी है, क्योंकि किसी भी बदहाली की सूरत, अल्पसंख्यक अथवा जातिवादी चश्मे से नहीं सुधारी जा सकती? खाद्य की उपलब्धता से लेकर शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जितने भी ठोस मानवीय सरोकार हैं उनको हासिल करना मौजूदा दौर में केवल पूंजी और शिक्षा से ही संभव है। ऐसे में आरक्षण के सरोकारों के जो वास्तविक हकदार हैं, वे अपरिहार्य योग्यता के दायरे में न आ पाने के कारण उपेक्षित ही रहेंगे। अलबत्ता आरक्षण का सारा लाभ वे बटोर ले जाएंगे जो आर्थिक रूप से पहले से ही सक्षम हैं और जिनके बच्चे पब्लिक स्कूलों से पढ़े हैं। इसलिए इस संदर्भ में मुसलमानों और भाषायी अल्पसंख्यकों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने की वकालात करने वाली रंगनाथ मिश्र आयोग की रिपोर्ट के भी कोई बुनियादी मायने नहीं रह गए थे? यह रिपोर्ट भी मुसलमानों को संवैधानिक प्रावधानों में आरक्षण जैसे विकल्प खोलने के लिए तैयार कराई गई थी।

संविधान के तीसरे अनुच्छेद, अनुसूचित जाति आदेश 1950 जिसे प्रेसिडेन्शियल ऑर्डर के नाम से भी जाना जाता है, के अनुसार केवल हिंदू धर्म का पालन करने वालों के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को अनुसूचित जाति की श्रेणी में नहीं माना जाएगा। इस परिप्रेक्ष्य में अन्य धर्म समुदायों के दलित और हिंदू दलितों के बीच एक स्पष्ट विभाजक रेखा है, जो समता और सामाजिक न्याय में भेद करती है। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक जैन समुदाय को भी अल्पसंख्यक माना गया है। परंतु इन्हें अधिसूचित करने का अधिकार राज्यों को है, केन्द्र को नहीं। इन्हीं वजहों से आतंकवाद के चलते अपनी ही पुश्तैनी जमीन से बेदखल कश्मीरी पंडित अल्पसंख्यक के दायरे में नहीं आ पा रहे हैं। मध्यप्रदेश में दिग्विजय सिंह की कांग्रेस सरकार के दौरान जैन धर्मावलंबियों को भी अल्पसंख्यक दर्जा दिया था, लेकिन अल्पसंख्यकों को दी जाने वाली सुविधाओं से ये आज भी वंचित हैं। इस नाते 'अल्पसंख्यक श्रेणी' का अधिकार पा लेने के क्या राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक व आर्थिक निहितार्थ हैं, इन्हें समझना मुश्किल है। यहां तक कि आर्थिक रूप से कमजोर जैन धर्मावलंबियों के बच्चों को छात्रवृत्ति भी नहीं दी जाती हैं। अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने का आधार जिस मिश्र आयोग को बनाया गया था, उसका गठन 'जांच आयोग के तहत' नहीं हुआ था। गोया संविधान में सामाजिक और शैक्षिक शब्दों के साथ 'पिछड़ा' शब्द की शर्त का उल्लेख किए बिना इन्हें पिछड़ा माना जाकर अल्पसंख्यक समुदायों को 15 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। इसमें से 10 फीसदी केवल मुसलमानों को और पांच फीसदी गैर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को दिए जाने का प्रावधान तय हो। शैक्षिक संस्थाओं के लिए भी आरक्षण की यही व्यवस्था प्रस्तावित की गई थी। यदि इन प्रावधानों के क्रियान्वयन में कोई परेशानी आती है तो पिछड़े वर्ग को आरक्षण की जो 27 प्रतिशत की सुविधा हासिल है, उसमें कटौती कर 4.5 प्रतिशत की दावेदारी अल्पसंख्यकों की तय हो? हालांकि वर्तमान में कुछ राज्यों में अल्पसंख्यक समुदायों को आरक्षण की सुविधा दी जा रही है। चूंकि सच्चर समिति की रिपोर्ट मिश्र आयोग के गठन से पहले आ गई थी, इसलिए इस रिपोर्ट को विपक्ष सच्चर समिति को अमली जामा पहनाने के रूप में भी देखा था। सच्चर और मिश्र रिपोर्टों में फर्क इतना है कि सच्चर का आंकलन केवल मुस्लिम समुदाय तक सीमित था, जबकि मिश्र आयोग ने सभी अल्पसंख्यक समुदायों और उनमें भी दलितों की बदहाल स्थिति का ब्यौरा दर्ज किया है। अतएव इस परिप्रेक्ष्य प्रधानमंत्री जो कह रहे हैं, वह कांग्रेस की कुटिल मंशा का कड़वा सत्य है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> *सच्चर और मिश्र रिपोर्टों में फर्क इतना है कि सच्चर का आंकलन केवल मुस्लिम समुदाय तक सीमित था, जबकि मिश्र आयोग ने सभी अल्पसंख्यक समुदायों और उनमें भी दलितों की बदहाल स्थिति का ब्यौरा दर्ज किया है। अतएव इस परिप्रेक्ष्य प्रधानमंत्री जो कह रहे हैं, वह कांग्रेस की कुटिल मंशा का कड़वा सत्य है।*

व्यंग्य

मत बोलो बाबा इतना मत बोलो

राजेंद्र बज
व्यंग्यकार

बाबा को बोलने से तौबा कर लेना चाहिए। जब भी बोलते हैं, जुबान पकड़ने वाले सक्रिय हो जाते हैं। बाबा के बोल वचन चाहे मीडिया को मसाला देते हैं, लेकिन उनके विरोधी योजनाबद्ध तरीके से उनके मसाले से बघार लगा दिया करते हैं।

उनके खेमे में 'जहां-जहां पांव पड़े बाबा के वहां वहां बंटाधार' वाली मिसाल लागू हो रही है। लेकिन बाबा तो बाबा ठहरे, अपनी मस्ती और खानदानी खुमार के चलते बोलते भी है तो बोलने के लिए। गीता के ज्ञान की भांति बोलने को बोलते हैं, लेकिन परिणाम की चिंता नहीं करते। आज भी वह अपने परंपरागत खानदानी भक्तों के लिए उच्च स्तरीय आदर्श के रूप में देखे जाते हैं।

सत्तापक्ष को अब अपनी विकास संबंधी तमाम उपलब्धियां गिनाने की कतई कोई आवश्यकता नहीं रह गई है। सत्तापक्ष बड़े मजे से बाबा के मजे लेकर बहुत आसानी के साथ उनकी नाकाबिलियत पर ठप्पे पर ठप्पे लगाता जा रहा है। इतना जरूर है की बाबा को देखने और सुनने वालों की बड़ी संख्या में भीड़ जुट जाती है। लेकिन यह भीड़ अपनी मनोरंजन की क्षुधा को शांत करने के लिए उमड़ा करती है। सचमुच बाबा के विरोधी अपने भाग्य की खा रहे हैं। उन्हें बाबा को पटकनी देने के लिए मुद्दों की तलाश नहीं होती। दरअसल बाबा स्वयं अपने बोल वचन से उन्हें मुद्दा हाथ में दे देते हैं। मैं समझता हूं कि बाबा जरा भी समझदार होते तो उनके विरोधियों के लिए शून्य से शिखर का रास्ता तय करना काफी मुश्किल था।

सचमुच मुझे बड़ा आश्चर्य होता है कि बाबा के खेमे में उनका भाषण तैयार करने वाले वर्ग की आखिर मंशा क्या है ! वैसे स्वतंत्र भारत के इतिहास में अलग-अलग राष्ट्रनायकों के कालखंड में कुछ जोकर भी रहे हैं। जो राजनीति जैसे नीरस विषय को आम नागरिकों के लिए अपने हाव-भाव और व्यवहार से मनोरंजक बनाकर परोसते रहे हैं। मुझे यह सोच-सोच कर भी बड़ी हैरत होती है कि उनके खेमे के तपे-तपाए बंदे आखिर बाबा के बोल पर क्या अनुभव करते रहे होंगे। यह बाबा के दल का दुर्भाग्य रहा है कि चांदी का चम्मच मुंह में लेकर जन्म लेने वाले नायक बनकर बाल लीला में मशगूल है।

कुल मिलाकर मुद्दे की बात यह है कि मुझे बाबा से गहरी सहानुभूति है। इस नाते उन्हें नेक सलाह देता हूं कि अब सार्वजनिक मंच पर केवल 'हां, हूं' ही करते रहें। इतना करने से भी जो उनके खानदान के मुरीद रहे हैं, वे उनके मतदाता बन जाएंगे। यदि भूल कर भी जब कभी बाबा ने जुबान खोली, नाश का सत्यानाश होने से कोई रोक नहीं सकेगा। मैं जानता हूं कि मेरी फोकट की सलाह बाबा को रास नहीं आएगी। लेकिन क्या करूं? मेरा तो दिल ही ऐसा है कि उन पर प्यार आ जाता है।

नॉलेज कॉर्नर: भारत में रोजाना 6000 से ज्यादा फ्लाइट्स भरती हैं उड़ान

12 किमी ऊंचाई तक ही उड़ते हैं यात्री प्लेन!

आज के वक्त समय बचाने के लिए अधिकांश लोग फ्लाइट में सफर करना पसंद करते हैं। क्योंकि इससे लंबी दूरी का सफर कम समय में पूरा हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिस फ्लाइट में आप सफर करते हैं, वो धरती से कितनी ऊंचाई पर उड़ता है। आखिर फ्लाइट तय निर्धारित ऊंचाई पर ही क्यों उड़ता है, इसके पीछे का कारण क्या है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक भारत में रोजाना 6000 से ज्यादा फ्लाइट्स आसमान में उड़ती हैं। जिसमें 3061 प्रस्थान उड़ानें और 3058 आगमन उड़ानें शामिल हैं। इसमें डोमेस्टिक और इंटरनेशनल दोनों उड़ानें शामिल हैं। विस्तार से जानते हैं आज के नॉलेज कॉर्नर में...

अधिक ऊंचाई पर भरते हैं उड़ान

फ्लाइट में सफर करते समय आमतौर पर महसूस होता है कि टेकऑफ करते समय विमान ऊंचाई पर जाने के बाद उड़ान भरता है। क्योंकि अधिक ऊंचाई पर वायु घनत्व कम होता है, जिसके परिणामस्वरूप वायु प्रतिरोध कम होता है, जिससे विमान कम ईंधन जलाते हुए तेजी से उड़ सकते हैं। इसके अलावा अधिक ऊंचाई पर उड़ान भरने से पक्षियों से टकराने से बचने, अशांति को कम करने और यात्रियों को अधिक आरामदायक उड़ान अनुभव देने में मदद मिलती है।

बता दें कि बड़े जेटों के साथ जब विमान हवाई अड्डों से उड़ान भरते हैं, तो उनका पहला काम तेजी से बादलों के ऊपर आना और जितनी जल्दी हो सके उतनी ऊंचाई तक पहुंचना होता है। कामर्शियल विमान आम तौर पर 31,000 (9.14 किमी) और 38,000 फीट (11.15 किमी) के बीच उड़ान भरते हैं। करीब 5.19 से 7.12 मील तक पहुंचने में आमतौर पर विमानों को 10 मिनट लगते हैं। जानकारी के मुताबिक विमान इस ऊंचाई से कहीं अधिक ऊंचाई पर उड़ान भर सकते हैं, लेकिन इससे सुरक्षा संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

दुनिया में रोज इतनी उड़ानें

अमेरिका में हर दिन 42,000 विमान उड़ान भरते हैं, जिनमें से किसी भी समय 5,000 विमान आसमान में होते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में हर दिन लगभग 100,000 उड़ानें उड़ान भरती और उतरती हैं, जिनमें यात्री, मालवाहक और सैन्य विमान शामिल हैं। वहीं अकेले यात्री उड़ानों में प्रति दिन 90,000 से अधिक उड़ानें होती हैं। बता दें कि विमान आमतौर पर 31,000 (9.144 किमी) से 42,000 (12.180 किमी) फीट की ऊंचाई पर उड़ते हैं। इतनी ऊंचाई पर उड़ान भरने का मुख्य कारण ईंधन दक्षता को अधिकतम करना, वायु प्रतिरोध को कम करना, हवाई यातायात से बचना होता है। इसके अलावा हवा में उड़ते समय सुरक्षा सुनिश्चित करना भी होता है।

कम ऊंचाई में उड़ते हैं हेलिकॉप्टर

हेलिकॉप्टर मुख्य रूप से छोटी दूरी तक उड़ान भरने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। ये हवाई जहाज की तुलना में बहुत नीचे उड़ते हैं। आमतौर पर 10,000 फीट से नीचे उड़ते हैं। बता दें कि हेलीकॉप्टर पंखों के बजाय घूमने वाले ब्लेडों से उड़ते हैं।

कंटेंट: कुलदीप सिंह जादौन

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री
@narendramodi

एनडीए सरकार के कदमों से बिहार के साथ ही देशभर के नौजवानों के लिए योग और आयुर्वेद सेक्टर में नए-नए अवसरों के द्वार खुलने वाले हैं।

दिया कुमारी, उपमुख्यमंत्री, राजस्थान
@KumariDiya

प्रदेश के दो अगल-अलग जिलों में हुए हादसों से मन व्यथित है। चित्तौड़गढ़ जिले के रावतभाटा क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से तीन व्यक्तियों के असामयिक निधन व कई लोगों के झुलसने की सूचना एवं श्रीगंगानगर के अनूपगढ़ में हुए सड़क हादसे में 6 लोगों की मृत्यु बेहद दुखद है। प्रभु श्रीराम, दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिजनों को वज्रपात सहन करने की शक्ति दें। मैं घायलों के लिए शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की कामना करती हूं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक में चुनावी सभा में कसा तंज... किया सियासी प्रहार, कहा-

घबराए हुए हैं पीएम मोदी... किसी दिन मंच पर बहाने लग जाएंगे आंसू

एजेंसी | बीजापुर (कर्नाटक)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि इन दिनों वे अपने भाषणों में बहुत घबराए हुए लगते हैं। हो सकता है कि अगले कुछ दिनों में वह मंच पर आंसू बहाने लगें। उन्होंने कहा कि एक तरफ संविधान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है, दूसरी तरफ विपक्षी गठबंधन इंडिया संविधान को बचाने की कोशिश कर रहा है।

राहुल गांधी ने शुक्रवार को कर्नाटक के बीजापुर में एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी पर यह सियासी हमला बोला।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी हालिया रैलियों में कांग्रेस को 'मंगलसूत्र', 'संपदा पुनर्वितरण' और 'विरासत कर' जैसे आरोपों से घेरने का प्रयास किया है। राहुल गांधी ने जवाबी हमला बोलते हुए कहा कि पीएम मोदी लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। वह कभी चीन और पाकिस्तान की बात करते हैं, कभी वह आपसे थाली बजाने को कहेंगे और कभी आपके मोबाइल फोन पर टॉर्च लाइट जलाने को कहेंगे। गांधी ने कहा कि भारत में गरीबी, बेरोजगारी और महंगाई समेत चार महत्वपूर्ण मुद्दे हैं।

उन्होंने दावा किया कि केवल कांग्रेस ही बेरोजगारी समाप्त कर सकती है, महंगाई को काबू में कर सकती है और लोगों को उनकी उचित हिस्सेदारी दिला सकती है। उन्होंने कहा कि मोदी ने केवल गरीब जनता का पैसा लूटा है। उन्होंने कुछ लोगों को ही अरबपति बनाया है। देश में करीब 22 लोग हैं जिनकी संपदा देश के 70 करोड़ लोगों की संपत्ति के समान है।

देश की 40% संपदा पर 1% लोगों का नियंत्रण

राहुल गांधी ने कहा कि केवल एक प्रतिशत लोग देश की 40 प्रतिशत संपदा पर नियंत्रण रखते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात में दलितों, अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों, अल्पसंख्यकों और सामान्य श्रेणी के निर्धन लोगों के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा, मैं आपको केवल एक वाक्य में अपनी बात साफ कर दूंगा। मोदी ने इन अरबपतियों को जो संपदा दी है, वो पैसा हम देश की गरीब जनता को देने जा रहे हैं।

पीएम मोदी ने युवाओं की नौकरियां छीन ली

गांधी ने कहा, नरेंद्र मोदी ने भारत के युवाओं से सेना की नौकरियां छीन लीं। वह अग्निवीर योजना लाए, जो भारतीय सेना और सैनिकों का अपमान है। हम इसे समाप्त करेंगे। उन्होंने मोदी पर त्रुटिपूर्ण जीएसटी प्रणाली लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह लोकसभा चुनाव सामान्य नहीं हैं। ये वैसे चुनाव नहीं हैं जैसे पहले होते थे। क्योंकि भारत के इतिहास में पहली बार एक पार्टी और एक व्यक्ति संविधान और लोकतंत्र को तबाह करना चाहते हैं।

किसानों का कर्जा करेंगे माफ

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने आज तक किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। हमारी सरकार आते ही किसानों का कर्जा माफ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आशा और आंगनबाड़ी महिलओं की सैलरी दुगनी की जाएगी।

तेजस्वी सूर्या के खिलाफ केस दर्ज

बेंगलुरु। भाजपा के युवा नेता और बेंगलुरु दक्षिण से भाजपा के उम्मीदवार तेजस्वी सूर्या की मुश्किलें बढ़ गई हैं। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने उनके खिलाफ केस दर्ज किया है। राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने ट्वीट करते हुए कहा कि तेजस्वी सूर्या के खिलाफ हाल ही में एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करने और धर्म के नाम पर वोट मांगने के आरोप में केस दर्ज किया गया है। वहीं, भाजपा लीगल सेल के संयोजक और अधिवक्ता वसंत कुमार ने कहा कि आज चुनाव आयोग के पास पांच शिकायतें दर्ज कराई गई हैं।

जरूरी खबर

कर्नाटक में मोदी नहीं, गारंटी की लहर: सिद्धारमैया

बेंगलुरु। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि कर्नाटक में कोई मोदी लहर नहीं है। राज्य में कांग्रेस सरकार की गारंटी योजनाओं के पक्ष में एक लहर है। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी राज्य में कुल 28 लोकसभा सीटों में से 20 सीटें जीतेगी। सिद्धारमैया ने शुक्रवार को मतदान करने के बाद सिद्धारमैया ने मीडिया से कहा कि हमारी सरकार की योजनाएं बिना किसी मध्यस्थ के जनता तक पहुंची है। हर महीने लोगों के बैंक खातों में पैसा पहुंचा है। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता का आशीर्वाद कांग्रेस के साथ है।

SC में याचिका सूरत में दोबारा चुनाव की मांग

नई दिल्ली। गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी के निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जाने के मद्देनजर वहां दोबारा चुनाव कराने की मांग को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दाखिल की गई है। इसके लिए मतदाताओं के नोटा विकल्प पर वोट देने के अधिकार को आधार बनाया गया है। ज्ञात रहे कि सूरत से कांग्रेस उम्मीदवार निलेश कुंभानी का पर्चा खारिज होने और अन्य प्रत्याशियों के द्वारा अपना पर्चा वापस लेने के बाद भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया था। याचिका में कहा गया है कि कांग्रेस उम्मीदवार का पर्चा खारिज होने और अन्य प्रत्याशियों के द्वारा नाम वापस लेने के बाद भी जनता के पास नोटा (NOTA) को वोट देने का विकल्प खुला हुआ था।

पश्चिम बंगाल के मालदा में आमसभा में गरजे पीएम मोदी

केंद्र से भेजे धन को लूट रहे TMC नेता, तुष्टीकरण की मची है होड़

एजेंसी | कोलकाता

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल और बिहार में चुनाव सभाओं को संबोधित किया और विपक्षी दलों पर जमकर प्रहार किया।

उन्होंने पश्चिम बंगाल में मालदा में एक चुनाव सभा को संबोधित करते हुए राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और कांग्रेस पर निशाना साधते कहा, मुझे विश्वास है कि पहले चरण में टीएमसी कांग्रेस जैसे दल जो पस्त हो रहे थे अब दूसरे चरण में ध्वस्त हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि इन दोनों पार्टियां तुष्टीकरण की राजनीति में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। मैं केंद्र से बंगाल के विकास के लिए यहां की सरकार को जो पैसा भेजता हूं, वो टीएमसी के नेता, मंत्री और तोलाबाज मिलकर खा जाते हैं और कांग्रेस आपकी संपत्ति ऐसे वोट बैंक में बांटने की बात कर रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि एक समय था जब बंगाल पूरे देश के विकास का नेतृत्व करता था, लेकिन पहले वामदलों और फिर टीएमसी ने अपने शासन में बंगाल की इस महानता को चोट पहुंचाई। टीएमसी के राज में बंगाल में एक ही चीज चलती है- हजारों करोड़ो के घोटाले, शारदा चीट फंड, पशु तस्करी घोटाला, राशन घोटाला, कोयला घोटाला आदि। घोटाले टीएमसी करती है और भुगतना बंगाल की जनता को पड़ता है। यहां कोई काम नहीं है जो बिना कमीशन के होता है।

TMC सरकार लूटने का मौका नहीं छोड़ती

टीएमसी पर आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा, बंगाल के 50 लाख से ज्यादा किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि के 8 हजार करोड़ रुपए सीधे भेजे गए हैं, लेकिन टीएमसी सरकार को देखिए, वो आपको लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ती। शिक्षक भर्ती घोटाला का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार लगातार युवाओं के भविष्य से खेल रही है। शिक्षक भर्ती घोटाले ने 26,000 परिवारों की रोजी रोटी छीन ली। दूसरी तरफ भाजपा युवा सशक्तीकरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महिलाओं के साथ किया विश्वासघात

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी मां-माटी-मानुष की बात कहकर सत्ता में आई, लेकिन सत्ता में आते ही इस पार्टी ने सबसे ज्यादा विश्वासघात महिलाओं के साथ किया। उन्होंने आगे कहा कि जब भाजपा सरकार ने मुस्लिम बहनों को अत्याचार से बचाने के लिए तीन तलाक खत्म किया, तो टीएमसी ने इसका विरोध किया। संदेशखाली में महिलाओं पर इतने अत्याचार हुए और टीएमसी सरकार आखिर तक मुख्य आरोपी को बचाती रही।

CAA नागरिकता छीनने का नहीं, यह तो नागरिकता देने का कानून

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी और कांग्रेस आपस में लड़ने का दिखावा करती है, लेकिन दोनों का व्यवहार बिलकुल एक जैसा ही है। दोनों पार्टियों को एक ही चीज जोड़कर रखती है और वह है तुष्टीकरण। टीएमसी के नेताओं का कहना है कि अगर वे सत्ता में हुए तो सीएए को रद्द कर देंगे। उन्होंने कहा कि सीएए नागरिकती छीनने का नहीं नागरिकता देने का कानून है। उन्होंने टीएमसी पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, टीएमसी सरकार बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों को लाकर बसाने का काम करती है। इन घुसपैठियों को आपकी जमीन और खेत पर कब्जा करवाती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस आपकी जमीन छीनना चाहती है। इस पर टीएमसी के मुंह से एक भी शब्द नहीं निकला। दोनों पार्टियों के बीच तुष्टीकरण की रेस चल रही है।

PM ने बिहार में राजद व कांग्रेस पर साधा निशाना

विपक्षी गठबंधन को न संविधान की परवाह ना लोकतंत्र की

पटना। प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के बाद बिहार के अररिया और मुंगेर में जनसभाओं को संबोधित करते हुए राजद और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

अररिया के फारबिसगंज में एक चुनावी सभा में पीएम मोदी ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ईवीएम के जरिए दिए वोटों का वीवीपैट के माध्यम से 100 फीसदी सत्यापन की मांग की याचिका को खारिज किए जाने के बाद विपक्ष को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस नीत विपक्षी गठबंधन को न संविधान परवाह है और ना लोकतंत्र की परवाह है। ये लोग वही हैं, जिन्होंने दशकों तक बैलेट पेपर के बहाने लोगों का हक छीना। ये लोग मतदान केंद्र और बैलेट पेपर लूट लेते थे। गरीबों को वोट डालने के लिए घरों से बाहर नहीं निकलने देते थे। अररिया की सभा से पूरे सीमांचल को संदेश देते हुए पीएम मोदी ने साफ कहा कि कांग्रेस देश में धर्म आधारित आरक्षण लागू करना चाहती है। कर्नाटक में तो कांग्रेस ने ओबीसी के 27 प्रतिशत कोटे में भी घालमेल कर दिया। रातों-रात मुस्लिम समाज के लोगों को ओबीसी बना दिया। इस तरह से ओबीसी समाज का बहुत बड़ा हक मुस्लिमों के खाते में चला गया। बिहार में भी कांग्रेस यह खेल खेलना चाहती है। और राजद ने इसके खिलाफ एक शब्द भी नहीं बोलता है।

पीएम मोदी ने लोगों से पूछा क्या आप ओबीसी के हक को लूटने देंगे? अब इनकी नजर ओबीसी के हक पर है। आने वाले समय में कांग्रेस और राजद इसी तरह से एससी-एसटी के हक को छीनने का काम करेंगे। वहीं, मुंगेर में राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराने के लिए कांग्रेस और लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ये लोग राम मंदिर के निमंत्रण को ठुकराकर भारत की संस्कृति और सनातन धर्म का अपमान कर रहे थे, जबकि कई पीढ़ियों से बाबरी मस्जिद के लिए कोर्ट में पक्षकार की भूमिका निभाने वाले अंसारी परिवार के सदस्यों ने राम मंदिर के निर्माण का खुले दिल से स्वागत किया।

अजित पवार को राहत

वोट के बदले निधि मामले में आचार संहिता का उल्लंघन नहीं

एजेंसी | बारामती (महाराष्ट्र)

लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन अधिकारी ने एक रिपोर्ट दाखिल की है जिसमें कहा गया है कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की 'वोट के बदले निधि' संबंधी टिप्पणी से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का प्रथम दृष्ट्या कोई सबूत नहीं है। शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने आदर्श आचार संहिता और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए भारत निर्वाचन आयोग में अजित पवार के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। दरअसल, बारामती निर्वाचन क्षेत्र के इंदापुर में एक चुनावी रैली में अजित पवार ने हाल ही में कहा था, जहां तक फंड का सवाल है, हम आपको जितना चाहें उतना देने में सहयोग करेंगे। लेकिन इसके लिए ईवीएम का बटन बड़ी संख्या में दबाना होगा। अगर ईवीएम का बटन अधिक से अधिक दबाया जाएगा तो मुझे भी धन आवंटित करना अच्छा लगेगा, नहीं तो मुझे खुद को रोकना होगा।'

बारामती की निर्वाचन अधिकारी कविता द्विवेदी ने कहा कि उन्होंने शिकायत मिलने के बाद जांच शुरू की और अजित पवार से जवाब मांगा। इस मामले में अब उन्होंने मुख्य चुनाव अधिकारी को एक रिपोर्ट सौंपी। इसमें अधिकारी ने बताया है कि उन्होंने अजित पवार के भाषण का वीडियो देखा है और आदर्श आचार संहिता का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है।

बारामती सीट पर टिकी हैं सभी की निगाहें

ज्ञात रहे कि बारामती सीट पर सभी की निगाहें हैं क्योंकि यहां मौजूदा सांसद सुप्रिया सुले और उनकी भाभी सुनेत्रा पवार के बीच मुकाबला है। सुले, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की उम्मीदवार हैं और शरद पवार की बेटी हैं. सुनेत्रा पवार अजित पवार की पत्नी हैं. अजित पवार सुप्रिया सुले के चचेरे भाई हैं।

पुणे के जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सुहास दिवासे ने बताया कि बारामती की निर्वाचन अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इस मामले में आदर्श आचार संहिता का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। रिपोर्ट दो दिन पहले मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपी गई थी।

रोड शो से आज होगा राजनीति में प्रवेश

सुनीता केजरीवाल संभालेंगी 'आप' के प्रचार की कमान

नई दिल्ली। तिहाड़ में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अनुपस्थिति में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल शनिवार को की मेगा रोड शो के जरिये राजनीति में प्रवेश करेंगी। मंत्री आतिशी ने प्रेसवार्ता में बताया कि वे पहली बार आप के चुनावी कार्यक्रम का नेतृत्व करेंगी। वह शनिवार को पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में मेगा रोड शो से प्रचार की शुरुआत करेंगी। रविवार को पश्चिमी दिल्ली में जनता से केजरीवाल के लिए समर्थन मांगेगी। वे दिल्ली के अलावा पंजाब, गुजरात और हरियाणा में भी आप प्रत्याशियों के लिए प्रचार करेंगी। आतिशी ने कहा कि लोकसभा चुनाव की घोषणा के तुरंत बाद केंद्र सरकार ने ईडी की मदद से मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर लिया।

छत्तीसगढ़ की चुनावी डायरी

जुबानी जंग तेज: शाह का कांग्रेस पर वार, सिंह देव का BJP पर पलटवार

एजेंसी | बेमेतरा (छत्तीसगढ़)

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी हमले तेज हो गए हैं। राज्य में चुनाव के प्रथम दो चरण में चार सीटों के लिए मतदान हो गया है। वहीं शेष सीटों के लिए चुनाव प्रचार तेज हो गया है। शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दौरे पर थे।

उन्होंने इस दौरान बेमेतरा लोकसभा सीट पर जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा और राम मंदिर को लेकर कांग्रेस पर प्रहार किया। दूसरी ओर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टीए सिंह देव ने भाजपा जवाबी प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को राजनीतिक इवेंट बना दिया।

गृह मंत्री अमित शाह ने बेमेतरा में चुनाव सभा में कांग्रेस पर मुस्लिम लीग के एजेंडे पर चलने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने वोट बैंक की राजनीति के कारण अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण अस्वीकार कर दिया उन्हें देश पर शासन करने का अधिकार नहीं है। बता दें कि बेमेतरा दुर्ग लोकसभा क्षेत्र में आता है, जहां सात मई को मतदान होगा।

मोदी के लिए मांगा तीसरा कार्यकाल

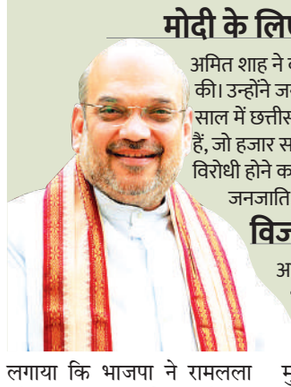

अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने आतंकवाद को खत्म किया और देश की सुरक्षा की। उन्होंने जनता से कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरा कार्यकाल दीजिए दो साल में छत्तीसगढ़ से नक्सलवाद खत्म हो जाएगा। शाह ने कहा मोदी ने वे काम किए हैं, जो हजार साल तक कोई नहीं कर सकता। उन्होंने कांग्रेस पर अन्य पिछड़ा वर्ग विरोधी होने का भी आरोप लगाया और कहा, यह मोदी जी की गारंटी है कि अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति और ओबीसी के आरक्षण को कोई छू नहीं सकता।'

विजय बघेल हैं दुर्ग से उम्मीदवार

अमित शाह दुर्ग लोकसभा सीट पर प्रचार करने पहुंचे थे। शाह ने यहां भाजपा उम्मीदवार विजय बघेल के समर्थन में जनसभा की। विजय बघेल दुर्ग लोकसभा सीट से पहली बार 2019 में सांसद बने थे।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को BJP ने राजनीतिक इवेंट बना दिया

रायपुर ने राम मंदिर को लेकर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर शुक्रवार को जमकर निशाना साधा। उन्होंने रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को भाजपा द्वारा प्रायोजित बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में पूरा फोकस पीएम मोदी पर ही था। भाजपा ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को राजनीतिक इवेंट बना दिया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार सिंह देव ने बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने मंडी लोकसभा सीट से फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत को टिकट

दिया है, जब भी वह अपने भाषण की शुरुआत करती हैं तो कभी पीएम मोदी को विष्णु का अवतार, तो कभी भगवान शिव का अवतार कहती हैं। यहीं से उनका चुनावी प्रचार शुरू होता है। देश में आजकल क्या-क्या हो रहा है?

भूपेश बघेल ने लगाया ईवीएम में फोटो छोटी करने का आरोप

इस बीच, राज्य की राजनांदगांव लोकसभा सीट से उम्मीदवार भूपेश बघेल ने वोटिंग के बीच आरोप लगाया कि- ईवीएम में उनकी फोटो दूसरे उम्मीदवारों के अपेक्षा छोटी है। उन्होंने चुनाव आयोग पर निष्पक्षता नहीं करने पर आरोप लगाया है। ज्ञात रहे कि राज्य की राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर लोकसभा सीट पर शुक्रवार को मतदान हुआ था। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, लोकसभा के मतदाता फोन करके शिकायत कर रहे हैं कि ईवीएम में बाकी प्रत्याशियों की फोटो बड़ी और स्पष्ट है लेकिन मेरी फोटो छोटी और अपेक्षाकृत अस्पष्ट है। फोटो तो वैसी ही दी गई थी जैसी चुनाव आयोग ने मांगी थी।

जरूरी खबर

हाई कोर्ट की केजरीवाल सरकार को फटकार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2 लाख से अधिक छात्रों को पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने में विफल रहने पर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार और आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली एमसीडी को कड़ी फटकार लगाई है। दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा, दिल्ली सरकार सिर्फ सत्ता के इस्तेमाल में ही रुचि रखती है और अपनी गिरफ्तारी के बावजूद इस्तीफा न देकर अरविंद केजरीवाल ने व्यक्तिगत हित को राष्ट्रीय हित के ऊपर रखा है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायाधीश मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की खंडपीठ ने एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केजरीवाल सरकार पर ये तीखी टिप्पणियां कीं।

बीरभूम से भाजपा प्रत्याशी धर का नामांकन रद्द

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की बीरभूम संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार देबाशीष धर का नामांकन चुनाव आयोग ने रद्द कर दिया है। धर ने अपने नामांकन के साथ अनापत्ति प्रमाण पत्र जमा नहीं किया था। वह पूर्व IPS अधिकारी रहे हैं। चुनाव आयोग सूत्रों ने कहा है कि अगर नौकरीशुदा कोई शख्स इस्तीफा देकर चुनाव लड़ता है तो उसे उस विभाग (जहां वह काम करता था) से नो ड्यूज और नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट जमा करना होता है। धर ने अपने नामांकन के साथ यह कागजात नहीं जमा कराए थे, जिसकी वजह से आयोग ने उनका नामांकन रद्द कर दिया है।

J&K: रामबन में भारी भूस्खलन, 30 घर क्षतिग्रस्त

जम्मू । जम्मू संभाग के जिला रामबन में भारी भूस्खलन हुआ है। रामबन-गूल रोड पर रामबन से पांच किलोमीटर दूर ककराला मोड़, परनोट क्षेत्र में भूस्खलन और जमीन धंसने के बाद कई घर क्षतिग्रस्त हो गए। प्रशासन ने करीब 50 परिवारों को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया है। जम्मू-कश्मीर के रामबन-गूल रोड पर गुरुवार रात करीब एक किलोमीटर तक जमीन धंसने के कारण रामबन से छह किलोमीटर दूर पेरनोट गांव में करीब 30 घर क्षतिग्रस्त हो गए ।रामबन-गूल रोड पर ककराला परनोर में दरारें आने पर यातायात निलंबित कर दिया गया।

मत को सम्मान... हम से है लोकतंत्र की ताकत

@ त्रिपुरा

@ अमरावती (महाराष्ट्र)

@ मणिपुर

@ गाजियाबाद (यूपी)

@ बेंगलुरु

@ मंगलदोई (असम)

नई दिल्ली। *लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के तहत शुक्रवार को 13 राज्यों की 88 सीटों पर मतदान हुआ। इस दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में मतदान के प्रति खासा उत्साह नजर आया। हालांकि कई राज्यों में मतदान पिछले चुनावों की तुलना में कम रहा। कई जगह लोग नदी का पारकर मतदान के लिए पहुंचे तो कई जगह दिव्यांगों ने तमाम कठिनाई के बावजूद मतदान किया। चित्रों में देश विभिन्न राज्यों में हुए मतदान की झलक नजर आ रही है।*

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में 13 राज्यों की 88 सीटों पर पड़े वोट

कम मतदान से बिगड़ सकता है राजनीतिक दलों का गणित

एजेंसी । नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव 2024 के दूसरे चरण में शुक्रवार को 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 88 सीटों पर हुए मतदान को लेकर राजनीतिक क्षेत्रों में गुणा-भाग शुरू हो गए हैं। मतदान के आंकड़ों से स्पष्ट है कि कमोबेश सभी जगह मतदान के प्रतिशत में गिरावट दर्ज की गई है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश की आठ सीटों पर शुक्रवार को हुए चुनाव में पहले फेज के मतदान से भी कम वोटिंग हुई है। 88 सीटों पर कुल 60.96 फीसदी वोट पड़ें हैं। दूसरे चरण में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में मतदान का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से काफी कम रहा जबकि जबकि त्रिपुरा, मणिपुर, छत्तीसगढ़ पश्चिम बंगाल और जम्मू-कश्मीर में 70 से लगभग 79 प्रतिशत के दायरे में मतदान हुआ।

कम होते इस वोटिंग प्रतिशत ने सभी राजनीतिक दलों का गणित बिगाड़ने की आशंका है। वोट करने के लिए लोगों के घरों से बाहर नहीं निकलने को लेकर राजनीतिक दलों को साथ-साथ चुनाव आयोग की भी चिंता बढ़ा दी है। खासकर हिंदी भाषी राज्यों में तो मतदाता वोटिंग को लेकर जैसे नीरस हो गए हैं। इससे पहले 2014 और 2019 में अच्छी-खासी तादाद में लोगों ने वोट किया था, लेकिन इस बार मतदाताओं में वो जोश देखने को नहीं मिल रहा है।

पहले चरण में 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर 64 प्रतिशत वोट डाले गए थे। पिछले चुनाव में उन सीटों पर भी 70 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था।

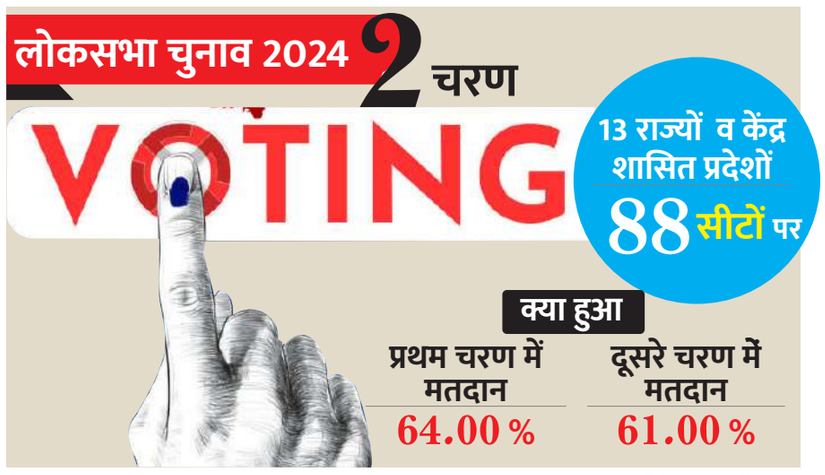

कम मतदान से ऐसे बिगड़े सत्ता समीकरण

2004 के चुनावों में 1999 से करीब दो फीसदी कम वोट पड़े थे, तब केंद्र से अटल बिहारी वाजपेयी सरकार गिर गई थी और मनमोहन सिंह की सरकार बनी थी। 1998 में जब वाजपेयी की सरकार 13 महीने के लिए बनी थी, तब 1996 के मुकाबले करीब चार फीसदी अधिक वोटिंग हुई थी और जब 1999 में सरकार गिरने के बाद तीसरी बार पूरे पांच साल के लिए अटल सरकार बनी थी, तब वोटिंग परसेंट में करीब दो फीसदी की गिरावट आई थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में देशभर के कुल 542 निर्वाचन क्षेत्रों (एक सीट पर बाद में चुनाव हुआ था) में 67.11% मतदान हुआ था । 2014 में यह आंकड़ा 66.44% था। पिछले सभी लोकसभा चुनावों में मतदान प्रतिशत के आंकड़ों पर गौर करें तो इसमें उतार-चढ़ाव होता रहा है। 1951 में हुए पहले आम चुनाव में सिर्फ 45.67% मतदाताओं ने मतदान किया था।

क्यों हुआ कम मतदान

नहीं थी बदलाव की उम्मीद, घरों में रहे वोटर!

राजनीतिक जानकारों मानना है कि गर्मी के अलावा स्थानीय मुद्दों की कमी, सांसदों के प्रति नाराजगी और इस बीच पीएम मोदी द्वारा अबकी बार 400 पार के नारे की वजह से वोटरों को ऐसा लगता है कि फिर से भाजपा की ही सरकार बनने जा रही है, इसलिए मतदान में रूचि नहीं ले रहे हैं। हालांकि, कुछ विश्लेषकों का कहना है कि महंगाई, बेरोजगारी जैसे कई बड़े मुद्दे हैं, लेकिन मतदाताओं का ध्रुवीकरण नहीं हो सका है, इसलिए बड़ी संख्या में लोग वोट डालने नहीं निकल रहे हैं। कुछ चुनावी विश्लेषकों का मानना है कि इस चुनाव में भी भाजपा बनाम कांग्रेस के अलावा तीसरा कोई विकल्प नजर नहीं आ रहा है, इसलिएवोट कम पड़े।

कम मार्जिन वाली सीटों पर असर संभव

मतदान कम होने से कम मार्जिन वाली सीटों पर असर पड़ सकता है। 2019 में 75 सीटों पर नजदीकी मुकाबला था। ऐसे में परिणाम किसी भी तरफ झुक सकता है। कुछ जानकारों का कहना है कि कम मतदान से सत्ताधारी दलों को फायदा हो सकता है, क्योंकि लोगों की सोच होती है कि सरकार अच्छा काम कर रही है और वो बदलाव नहीं चाहते।

इन मुद्दों पर मांगे गए वोट

BJP ने मांगे भारत@2047 पर वोट

सत्ताधारी BJP पिछले 10 वर्षों के अपने काम-काज और 2047 के विकसित भारत के एजेंडे के नाम पर चुनावों में वोट मांग रही है लेकिन प्रधानमंत्री से लेकर सत्ता पक्ष का हर बड़े नेता इन मुद्दों पर कम ही बातें कर रहे हैं और वे सभी कांग्रेस, राहुल गांधी और गांधी नेहरू परिवार को घेर रहे हैं। दूसरी तरफ राहुल गांधी की अगुवाई वाली कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जातीय जनगणना, आरक्षण खत्म करने की भाजपा को कोशिश, संविधान बदलने का भय, महंगाई, बेरोजगारी, किसानों को एमएसपी और न्याय स्कीम के तहत महिलाओं छात्राओं और विद्यार्थियों को पैसे देने, अप्रेंटिसशिप देने जैसे कई लोकलुभावन मुद्दों की बात कर रही है।

यूपी -बिहार: दोनों चरणों में वोटिंग कम

उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 80 लोकसभा की सीटें हैं, लेकिन वहां के वोटरों में चुनाव को लेकर उत्साह नहीं दिख रहा है। पहले चरण में जहां 57 प्रतिशत वोट पड़े, वहीं दूसरे चरण में महज 54.8 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जानकारों का मानना है कि किसके पक्ष में ज्यादा वोट गया है ये इस इस ट्रेंड से निकालना काफी मुश्किल है। चुनाव और राजनीतिक रूप से सजग कहे जाने वाले बिहार में भी इस बार मतदाता वोट को लेकर काफी नीरस दिख रहे हैं। पहले चरण में जहां 48 फीसदी लोगों ने वोट किया, वहीं दूसरे चरण में 54.9 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया. कई लोग बिहार में कम वोटिंग प्रतिशत को मौसम और पलायन से जोड़कर भी देख रहे हैं।

CBI ने दो परिसरों की ली तलाशी

संदेशखाली में भारी मात्रा में हथियार व विस्फोटक बरामद

एजेंसी। कोलकाता

केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ हिंसा से संबंधित एक मामले में पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना संदेशखली में दो ठिकानों पर छापेमारी और तलाशी के दौरान विदेश में निर्मित पिस्टल और रिवॉल्वर सहित बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। इस बीच, राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की एक बम निरोधक टीम संदेशखाली के अगरहाटी गांव पहुंच गई।

सीबीआई की टीम ने सीआरपीएफ जवानों के साथ शुक्रवार को संदेशखाली में 2 परिसरों की तलाशी ली। सीबीआई को शाहजहां शेख के करीबी रिश्तेदार अबू तालेब मोल्ला के घर पर बड़ी संख्या में हथियार और बम रखे होने की सूचना मिली थी। तलाशी अभियान के दौरान जमीन से बड़ी संख्या में आग्नेयास्त्र और बम मिले। इसके बाद एनएसजी को बुलाया गया।

क्या था मामला

दरअसल, संदेशखाली की महिलाओं ने बीते दिनों आरोप लगाए थे कि शाहजहां शेख और अन्य टीएमसी नेताओं ने उनकी जमीनों पर कब्जा कर लिया और कुछ महिलाओं ने टीएमसी नेताओं पर यौन शोषण के भी आरोप लगाए थे। इसे लेकर संदेशखाली में महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन किया। शाहजहां शेख राशन घोटाले में आरोपी है और बीते दिनों ईडी टीम पर हुए हमले में भी शाहजहां शेख आरोपी है।

SC पहुंची बंगाल सरकार दाखिल की याचिका

नई दिल्ली: संदेशखाली मामले पर कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा मामले की सीबीआई जांच के आदेश के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

बंगाल सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के सीबीआई जांच के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट 29 अप्रैल को इस मामले की सुनवाई करेगा। जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। दरअसल कलकत्ता हाईकोर्ट ने ममता सरकार को जोरदार झटका देते हुए संदेशखाली केस की सीबीआई जांच करने का फैसला सुनाया था।

केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट में दावा

रीतने के कगार पर जलाशय, द. भारत में हालात विकट

एजेंसी । नई दिल्ली

गर्मियां शुरू होने के साथ ही देश के प्रमुख जलाशयों और नदी घाटियों में कुल जल भंडारण एक दशक में दर्ज औसत भंडारण से कम हो गया है। देश के 150 प्रमुख जलाशयों में जल स्तर उनकी कुल भंडारण क्षमता का 30 प्रतिशत तक गिर गया है, पूर्वी और दक्षिणी भारत में भीषण गर्मी के कारण जल स्तर तेजी से घट रहा है। केंद्रीय जल आयोग द्वारा गुरुवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, जहां 26 जलाशयों में सामान्य जल भंडारण क्षमता 50 प्रतिशत है, वहीं पूर्वी और दक्षिणी क्षेत्रों के जलाशयों में जल स्तर गिरकर क्रमशः 39 प्रतिशत और 17 प्रतिशत तक गिर गया है।दक्षिणी क्षेत्र में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु राज्य आते हैं। सीडब्ल्यूसी के अनुसार, इस सप्ताह इन जलाशयों में उपलब्ध जल स्तर 53.358 बिलियन क्यूबिक मीटर था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 17.6% कम है जब यह 64.775 बीसीएम था और 4% कम था।

दक्षिण क्षेत्र के जलाशयों में 17 % बचा पानी

बुलेटिन अनुसार दक्षिणी क्षेत्र में आयोग की निगरानी के तहत 42 जलाशय हैं जिनकी कुल भंडारण क्षमता 53.334 बीसीएम (अरब घन मीटर) है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इन जलाशयों में मौजूदा कुल भंडारण 8.865 बीसीएम है, जो उनकी कुल क्षमता का केवल 17 प्रतिशत ही है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान भंडारण स्तर (29 प्रतिशत) और इसी अवधि के दस साल के औसत (23 प्रतिशत) की तुलना में काफी कम है। दक्षिणी क्षेत्र के जलाशयों में भंडारण का कम स्तर इन राज्यों में पानी की बढ़ती कमी और सिंचाई, पेयजल और पनबिजली के लिए संभावित चुनौतियों का संकेत है।

पश्चिमी व उत्तरी क्षेत्र में यह है स्थिति

पश्चिमी क्षेत्र में गुजरात और महाराष्ट्र शामिल हैं और वहां भंडारण स्तर 11.771 बीसीएम है जो 49 निगरानी जलाशयों की कुल क्षमता का 31.7 प्रतिशत है. यह पिछले वर्ष के भंडारण स्तर (38 प्रतिशत) और दस साल के औसत (32.1 प्रतिशत) की तुलना में कम है। इसी तरह, उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में भी जल भंडारण स्तर में गिरावट देखी गई है। उत्तरी क्षेत्र के लिए, 10 जलाशयों में उपलब्ध पानी 6.263 बीसीएम था, जो कुल भंडारण क्षमता 19.663 बीसीएम का 32 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान भंडारण 38% था और इसी अवधि के दौरान पिछले दस वर्षों का औसत भंडारण 33% था।

पूर्वी क्षेत्र में हुआ सुधार

इसके विपरीत पूर्वी क्षेत्र, जिसमें असम, ओडिशा और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य आते हैं, में पिछले साल और दस साल के औसत की तुलना में जल भंडारण स्तर में सकारात्मक सुधार दर्ज किया गया है। आयोग ने कहा कि इस क्षेत्र में, 20.430 बीसीएम की कुल भंडारण क्षमता वाले 23 निगरानी जलाशयों में अभी 7.889 बीसीएम पानी है, जो उनकी कुल क्षमता का 39 प्रतिशत है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि (34 प्रतिशत) और दस साल के औसत (34 प्रतिशत) की तुलना में सुधार का संकेत है।

यौन उत्पीड़न का आरोप

CRPF के डीआईजी को बर्खास्तगी का नोटिस

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सीआरपीएफ में डीआईजी रैंक के एक पूर्व चीफ स्पोर्ट्स अफसर पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों के संदर्भ उनकी बर्खास्तगी की प्रक्रिया शुरू कर रही है। उन पर इस अर्धसैनिक बल में कार्यरत कुछ महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न का आरोप है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने डीआईजी खजान सिंह के खिलाफ बर्खास्तगी का एक नोटिस जारी किया है। मंत्रालय ने यह कदम यूपीएससी की सिफारिश स्वीकार करने के बाद उठाया है।

इस संबंध में अंतिम आदेश आरोपित अधिकारी का 15 दिनों में जवाब मिलने के बाद जारी किया जाएगा। फिलहाल मुंबई में तैनात खजान सिंह के खिलाफ बर्खास्तगी का नोटिस हाल ही में उनके खिलाफ सीआरपीएफ की जांच पूरी होने के बाद ही जारी किया गया था। सीआरपीएफ ने उन्हें यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी पाया है। हालांकि, वह पहले ही इन आरोपों को नकार चुके हैं। खजान सिंह सीआरपीएफ के चीफ स्पोर्ट्स अफसर रह चुके हैं। वह 1986 में सियोल एशियाई खेलों के दौरान 200 मीटर की बटरफ्लाई तैराकी में रजत पदक जीत चुके हैं।

रवींद्र मंच पर नाटक 'प्रहरी' का मंचन: आमजन को बताए युद्ध के दुष्परिणाम

युद्ध में होती है इंसानियत की हार

बेधड़क.जयपुर। जयपुर के मंच पर कलाकारों ने कला के जरिए कई सवाल छोड़े और नाटके के जरिए बताया, कि युद्ध में मनुष्य जीतने का भ्रम पालता है लेकिन सदैव मानवता हारती है। वहीं अभिनय के जरिए जब पूछा गया, कि क्या युद्ध ही सभी समस्याओं का समाधान है? तो दर्शक भी मौन नजर आए। फिर कला के जरिए नाटक से मैसेज देने का सिलसिला देर तक चला। मौका था रवींद्र मंच के 60 वर्ष पूर्ण होने पर हीरक जयंती महोत्सव में कला व संस्कृति विभाग तथा रवींद्र मंच की ओर से टैगोर थिएटर योजना में मार्मिक और सामाजिक नाटक प्रहरी के मंचन का। नाटक के लेखक हेमचंद्र ताम्हणकर हैं तो निर्देशन जयपुर की युवा रंगकर्मी अर्शिया परवीन ने किया। नाटक प्रहरी में क्या युद्ध ही सभी समस्याओं का समाधान है, के सवाल के बाद बात आई, कि अगर नहीं तो क्यों होते हैं युद्ध? क्यूं दो देश अपने आर्थिक विकास के स्थान पर एक-दूसरे से शत्रुता रखते हैं?

सरहद पर सैनिकों की दशा को दर्शाया

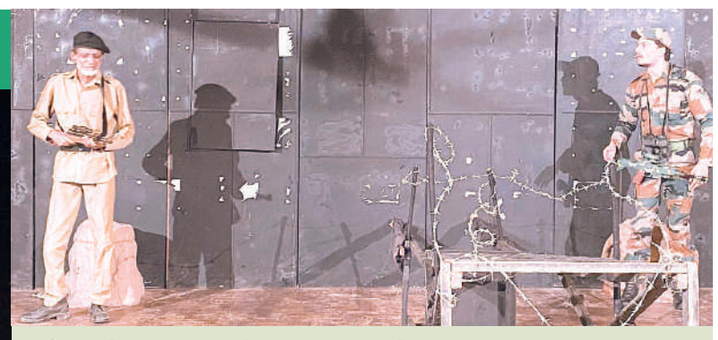

सैनिकों का आपसी द्वंद रहा प्रहरी

हमारा पड़ोसी मुल्क जो हमारा ही हिस्सा था सह आज अनावश्यक कारणों से हमसे शत्रुता रखता है। शौर्य और पराक्रम में हमसे कमजोर होने के कारण आए दिन आतंकवादी हरकतों से दहशत फैलाने की कोशिश करता है। ऐसे में दोनों देशों की सरहदों पर तैनात सैनिकों का आपसी द्वंद है प्रहरी। आखिर फौजी भी इंसान हैं और उसमें भी भावनाएं हैं। युद्ध ना होने की स्थिति में तैनात सैनिकों की क्या मानसिक स्थिति होती है को नाटक के जरिए दर्शाया गया। इस दौरान कला प्रेमियों ने भी कई सवाल अपने मन में उठाए जिनके जवाब शायद कला के जरिए कलाकारों ने दिए और सबको सोचने पर मजबूर करते हुए भावुक कर दिया।

इन्होंने किया जीवंत अभिनय

हेमचंद्र ताम्हणकर, श्वेता शर्मा क्रिस्टी, शुभम, आयुष, राहुल नेहरा, घनश्याम व कृष शर्मा ने जीवंत अभिनय किया। रवींद्र मंच मैनेजर सोविला माथुर ने बताया, कि नाटक प्रहरी का मंचन खास रहा। इस दौरान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, दर्शक, कला प्रेमी व अन्य गणमान्य उपस्थित रहे। दर्शकों का प्रवेश निशुल्क रहा।

जन्म जयंती में जुटे प्रबुद्धजन

बेधड़क. जयपुर। श्रीसन्मति पुस्तकालय के संस्थापक मोतीलाल संघी की 149वीं जन्म जयंती मनाई गई। इस मौके पर अध्यक्ष विवेक काला, जस्टिस नगेंद्र जैन, जस्टिस नरेंद्र जैन, डॉ. ज्ञानचंद जैन, अरुण हाड़ा, विधा अमित काला, प्रीति जैन, इंदुबाला जैन, संदीप ठोलिया, हेमंत हासुंका आदि उपस्थित रहे।

मीरा, राम और कबीर के भजनों की प्रस्तुति आज

बेधड़क. जयपुर। नेट थिएट में शनिवार शाम 7 बजे भजन की स्वर लहरी कार्यक्रम में उभरते युवा कलाकार गौरव भट्ट मीरा, राम और कबीर के भजनों की प्रस्तुति देंगे। इनके साथ सितार पर वादक हरिहर शरण भट्ट, तबले पर विजय और गिटार पर कार्तिक संगत करेंगे।

मां ही सुसंस्कार की जड़: दाधीच

बेधड़क. जयपुर। तरुछाया रेजीडेंसी में नव निर्मित मंदिर में देव प्रतिष्ठा का आयोजन हुआ। मंदिर में राम-सीता, राधा-कृष्ण, मां दुर्गा, मां शीतला सहित शिव. पंचायत की स्थापना की गई। इस अवसर पर आचार्य बसंत दाधीच ने कहा, कि मां ही सुसंस्कार की जड़ है। अतः माताएं समय निकालकर बच्चों को आस्था से जुड़े प्रसंग अवश्य बताएं। विलासा ग्रुप चेयरमैन विनय ताम्बी, डॉ. कमलेश शर्मा, नवनीत जिंगर को मोटिवेट किया गया और फूलों की होली खेली गई।

City इवेंट्स

ताज की दौड़ के लिए प्रदेशभर से आईं मॉडल्स

बेधड़क. जयपुर। मिस राजस्थान के 26वें संस्करण का दूसरा ऑडिशन होटल प्राइम सफारी में हुआ तो प्रदेश भर से टैलेंट देखने को मिला। ग्रैंड जूरी प्रियन सैन, आंचल बोहरा, तरूशी राय, परिधी शर्मा, भावना वैश्णव, आस्था चौधरी, आकांक्षा चौधरी, सुहानी खुंटेता, ओर्जाला, दिशा सिंह, खुशी, मुस्कान, याशिका भी गर्ल्स को मोटिवेट करती नजर आई। आयोजक योगेश व निमिषा मिश्रा ने बताया, कि 5000 से ज्यादा गर्ल्स ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया और दावेदारी पेश की। इंटरव्यू राउंड में 70 गर्ल्स को शॉर्ट लिस्ट किया जाएगा। सभी गर्ल्स में से 28 फाइनलिस्ट को ग्रैंड फिनाले के लिए ग्रूम और मेकओवर किया जाएगा और ग्रैंड फिनाले में मिस राजस्थान-2024 घोषित की जाएगी।

अम्बेडकर की जीवनी पर नाटक कल

बेधड़क. जयपुर। भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर आधारित नाटक जय भीम रविवार शाम 6.30 बजे से रवींन्द्र मंच के मुख्य सभागार में होगा। प्रोग्राम के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री प्रेम चन्द्र बैरवा होंगे नाटक में दर्शाया जाएगा, कि अम्बेडकर ने आर्थिक समस्याओं से जूझते हुए शिक्षा ग्रहण की। शादी हो जाने के बाद उनकी जिंदगी आर्थिक परेशानियों से गुजरने लगी। उन्होंने अपनी और घर की परवाह न करते हुए अमेरिका और लंदन जैसे यूनिवर्सिटी से डिग्रियां प्राप्त की।

'एक शाम बाबा खाटू श्याम के नाम' आज

बेधड़क. जयपुर। युवाओं में सनातन संस्कृति का प्रचार करने व नई पीढ़ी को आध्यात्म से जोड़ने के लिए द दीवा'ज क्लब की ओर से खाटूश्याम की भजन संध्या "एक शाम बाबा खाटू श्याम के नाम' का आयोजन शनिवार को किया जाएगा। भजन संध्या के दौरान बाबा खाटूश्यामजी का अलौकिक दरबार सजाया जाएगा। वहीं भजन प्रवाहक राज व अन्य गायक प्रभु इच्छा तक भजनों की भक्ति धारा बहाएंगे। आनंद महल मैरिज गार्डन पत्रकार कॉलोनी में होने वाले आयोजन में जयपुर के अलावा अन्य स्थानों से भक्त हिस्सा लेंगे।

दो दिवसीय महोत्सव: दर्शक हुए रोमांचित

'नागिन तेरा वंश बढ़े' नाटक में कलाकारों ने दिखाई प्रतिभा

बेधड़क | जयपुर

संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से रस रंग मंच संस्था की ओर से 2 दिवसीय चतुर्थ नाट्यधर्मी रंग महोत्सव की शुरुआत रवींद्र मंच पर नाटक "नागिन तेरा वंश बढ़े" से हुई। कहानी का नाट्य रूपांतरण, परिकल्पना व निर्देशन हिमांशु झांकल ने किया व संगीत नाट्य संगीतकार मुकेश वर्मा ने तैयार किया। खास बात रही, कि 20 से अधिक नवागंतुक कलाकारों को 45 दिवस का नाट्य व संगीत प्रशिक्षण देकर इसे तैयार किया। नाटक में नागिन के बलिदान की गाथा को सुनहरे गीत व संगीत से सजाया गया। पद्मश्री स्व. श्री विजयदान देथा लोक कथाओं के चितेरे माने जाते हैं, जिन्होंने मानव मन से लेकर प्रकृति में रहने वाले जीव-जन्तुओं तक की मन की आकांक्षाओं और भावनाओं की लेखनी से उकेरा है। ऐसी अनगिनत कहानियों के रचियता देथा की कहानी "नागिन तेरा वंश बढ़े" को संगीतमय नाटक द्वारा मनुष्य की भावनाओं को उकेरने का प्रयास किया गया। साथ ही नागिन के जहरीले होने के बाद भी उसे त्याग और बलिदान के उत्कर्ष पर पहुंचाकर मानव जाति को विष पिकर अमृत बांटने का सन्देश दिया गया।

डीपीटील में शुक्रवार को हुए कई रोचक मुकाबले

फोर्टिस हॉस्पिटल व केसी मेमोरियल रॉयल अगले चरण में

बेधड़क | जयपुर

मेडिकोज सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में अक्षत चतुर्थ संस्करण डॉक्टर प्रीमियर टेनिस लीग में जय क्लब में रोमांचक मुकाबले हुए। इस दौरान प्लेयर्स ने दमखम दर्शाते हुए शानदार और रोचक खेल का परिचय दिया। लीग चेयरमैन डॉ. जयंत सेन ने बताया, कि फोर्टिस हॉस्पिटल ने एसएमएस टॉरपेडोज को 4-0 से, मलोत हॉस्पिटल ने निशांत टीम को 2-1 से और नी राइडर्स ने सैंडी स्ट्राइकर्स को 2-1 से तो रेटिना रेकुटीयर्स ने रवींद्र हॉस्पिटल को 4-0 से हराया।

लीग आयोजन सचिव डॉ. अनिल यादव बताया, कि एक अन्य मैच में के सी मेमोरियल ने रेटिना रेकुटीयर्स को 4-0 से हराया। लीग कोऑर्डिनेटर डॉ. ओम मील के अनुसार टीम सवाई चैंप्स ने थापर टाइटन्स को 4-0 से, फोर्टिस हॉस्पिटल ने महात्मा गांधी हॉस्पिटल को 4-0 से पटखनी दी।

लीग को-चेयरमैन डॉ. हरीश भारद्वाज ने बताया, कि दूसरे अन्य मैंचो में आदित्य ने अर्चन को 6-1 से, दीपक-अक्षय ने आधार-विपुल को 6-0 से, पुनीत-संदीप ने रजत सुधांशु की जोड़ी को 6-4 से हार दी।

पोस्टर लॉन्च | जेम सिनेमा में रविवार को होगा प्रीमियर शो

भूगर्भ से प्रकटित भगवान महावीर का दर्शाया अतिशय

बेधड़क | जयपुर

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी की ओर से चांदनपुर में टीले से प्रकटित भगवान महावीर के अतिशय को फिल्म "श्रीमहावीरजी' में दर्शाया गया है, जो अब दुनिया के सामने होगा। इसके लिए 28 अप्रैल को जयपुर के जेम सिनेमा में श्रीमहावीरजी फिल्म का प्रीमियर किया जाएगा और मूवी रीलीज होगी। फिल्म में श्रीमहावीर भगवान के अतिशय के साथ श्रीमहावीरजी कमेटी की ओर से श्रीमहावीरजी क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों व इन विकास कार्यों से आस-पास के लोगों को जो लाभ मिला है का चित्रण किया गया है। इसके लिए शुक्रवार को पोस्टर लॉन्च किया गया।

450 वर्ष प्राचीन मंदिर में आपदा नहीं

दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी अध्यक्ष सुधान्शु कासलीवाल व मानद मंत्री सुभाष चन्द जैन ने बताया, कि महावीरजी मंदिर भगवान महावीर का देश का सबसे बड़ा मंदिर है। 450 वर्ष प्राचीन मंदिर के बनने के बाद महावीरजी में कोई प्राकृतिक आपदा नहीं आई। भगवान महावीर का 2623वां जन्म जयंती व 2550वां निर्वाणोत्सव चल रहा है। कमेटी के मुख्य प्रचार संयोजक सुरेश सबलावत ने कहा, कि प्रतिमा के अवतरण से वहां के निवासियों के जीवन स्तर में आए हुए बदलाव की प्रगति को फिल्म में दर्शाया गया है। फिल्म में दर्शाया गया है, कि एक ओर जहां आज के युवा गांव व अपने पुश्तैनी व्यापार को छोड़कर नाम मात्र के पैकेज के लिए शहर में बस जाते हैं। वहीं दूसरी ओर एक लड़की विदेश में मल्टी नेशनल कंपनी में अच्छे पैकेज को छोड़कर श्रीमहावीरजी में विकास के कारण को आगे बढ़ाने में मदद करने में लग जाती है।

महावीरजी प्रबंधकारिणी समिति ने करवाया निर्माण

दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीरजी प्रबंधकारिणी समिति द्वारा फिल्म का निर्माण कराया गया है। इसके प्रोड्यूसर शैलेंद्र जैन व जे के जैन कालाडेरा वाले हैं। फिल्म शशांक जैन द्वारा लिखित व निर्देशित है। केशव कुंडल ने संगीत दिया गया है और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर सौरभ जैन है। मुख्य भूमिका रोहित मेहता व वान्या ने निभाई है। प्रिमियर शो के लिए निमंत्रण कार्ड व फ्री पास भट्टारकजी की नसियां कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क
जयपुर, शनिवार, 27 अप्रैल, 2024

आशावादी और निराशावादी दोनों की समाज को ज़रूरत है...आशावादी हवाईजाहज का आविष्कार करता है, तो निराशावादी पैराशूट का!
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

जंग में इजराइल ने और तेज किए हवाई हमले

रफाह में तीन ठिकानों पर बमबारी... 6 मरे

एजेंसी | यरुशलम

रफाह पर जमीनी कार्रवाई शुरू करने से पहले इजराइल ने इस शरणार्थी क्षेत्र पर हवाई हमले बढ़ा दिए हैं। तीन स्थानों पर इजराइली हमलों में छह लोग मारे गए हैं। मिस्र से सटे इस क्षेत्र में रह रहे लोगों से इजराइल ने स्थानांतरण के लिए तैयार रहने को कहा है। इजराइली सेना की यहां छिपे हमास और इस्लामिक जिहाद के लड़ाकों के खिलाफ कार्रवाई की योजना है। अभी तक के युद्ध में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या 34,305 हो गई है। बता दें, रफाह में इस समय करीब 14 लाख बेघर फिलिस्तीनियों ने शरण ले रखी है। इजराइल ने उन्हें खान यूनिस के नजदीक टेंटों में रखने की योजना बनाई है। यह प्रक्रिया कभी भी शुरू हो सकती है लेकिन इस दौरान इजराइली सेना का हमास के साथ टकराव हो सकता है।

हमास ने बंधक का वीडियो किया जारी

इस बीच हमास ने 23 वर्षीय बंधक हिर्च गोल्डबर्ग पोलिन का वीडियो जारी किया है। इस युवक को सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल में नोवा म्यूजिक फेस्टिवल पर हमला कर वहां से अगवा किया गया था। इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हगारी ने कहा है कि हमास जब तक हमारे बंधकों को रिहा नहीं करता, तब तक उसको घेरते रहेंगे और जहां भी बंधकों के होने की संभावना होगी, वहां जाएंगे।

अमेरिका समेत 18 देशों ने की बंधकों की रिहाई की अपील

अमेरिका और 17 अन्य देशों ने हमास से इजराइल के 130 बंधकों को रिहा करने और गाजा संकट को खत्म करने की अपील की है। इन बंधकों में कई बीमार, बुजुर्ग और घायल हैं। ये बंधक बीते 200 दिनों से हमास के कब्जे में हैं। जिन देशों ने हमास से अपील की है उनमें अमेरिका के अलावा ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और ब्राजील प्रमुख हैं।

यूक्रेन को अमेरिका ने भेजा 'गेम-चेंजिंग' हथियार

एजेंसी | कीव

दो साल से ज्यादा समय से रूस के साथ लड़ रहे यूक्रेन को अमेरिका ने एक अहम हथियार दिया है। ये गम चेंजर हथियार लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, जो रूस के अंदर टारगेट पर हमला करने में सक्षम हैं।

अमेरिका गुप्त रूप से ये मिसाइलें यूक्रेन पहुंचाई हैं। अपनी खासियत के चलते ये मिसाइल किसी भी लड़ाई का रुख मोड़ सकती हैं। ये निश्चित ही रूस के राष्ट्रपति पुतिन के लिए टेंशन बढ़ाने वाला हो सकता है, जो बीते कुछ समय में युद्ध के मैदान में मिली सफलताओं के बाद यूक्रेन पर नियंत्रण की ओर देख रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक पिछले हफ्ते पहली बार यूक्रेन ने क्रीमिया में एक सैन्य अड्डे पर और कब्जे वाले यूक्रेन में रूसी सेना पर दो जबरदस्त हमलों में एटीएसीएमएस मिसाइल का इस्तेमाल किया।

बौखलाया अमेरिका ने एक दर्जन कंपनियों पर लगाई पाबंदी... भारत की तीन शामिल

ईरान के साथ डील का आरोप

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिका ने एक दर्जन से ज्यादा ऐसी कंपनियों पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिन्होंने ईरान के साथ कारोबार किया था। इनमें भारत की भी तीन कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों पर आरोप है कि ईरान की ओर से यूक्रेन युद्ध के लिए रूस को ड्रोन भेजे गए थे और इस डील में इनकी ओर से मदद की गई थी। अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट का कहना है कि हमने जांच में पाया है कि इन कंपनियों ने ईरान के साथ रूस की डील में मदद की थी। अमेरिकी विभाग के अनुसार इस डील में मुख्य कंपनी सहारा थंडर थी, जिसने ईरान के ड्रोन्स को दूसरे देशों में बेचने में मदद की।

सहारा थंडर को इस डील में मदद करने का आरोप भारत की तीन कंपनियों जेन शिपिंग, पोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सी आर्ट शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड पर लगा है। अमेरिकी एजेंसी के अनुसार ईरानी सैन्य यूनिट सहारा थंडर एक विशाल शिपिंग नेटवर्क वाली कंपनी है। यह ईरान के रक्षा और सशस्त्र बल रसद मंत्रालय (एमओडीएएफएल) की ओर से पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी), रूस, वेनेजुएला और कई देशों में ईरानी वस्तुओं की बिक्री करती है।

अमेरिका ने लगाए ये आरोप: अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने कहा कि इन कंपनियों ने यूक्रेन युद्ध में रूस की मदद के लिए ईरानी मानव रहित हवाई जहाजों (यूएवी) की गुप्त बिक्री को सुविधाजनक बनाने और वित्तपोषण करने में अहम भूमिका निभाई है।

इन तीन भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगा: अमेरिका ने कहा कि सहारा थंडर को मुख्य अग्रणी कंपनी के रूप में पहचाना गया है जो ईरान की मदद कर रही थी और इसमें तीन भारतीय कंपनियां साथ दे रही थी। उन तीन कंपनियों में जेन शिपिंग, पोर्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और सी आर्ट शिप मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।

अमेरिका में गाजा युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन

भारतीय मूल की छात्रा गिरफ्तार... बैन

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों में गाजा में चल रही जंग के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं। यूनिवर्सिटी कैंपस में चल रही उथल-पुथल के बीच भारतीय मूल की छात्रा अचिंत्या शिवलिंगन को गिरफ्तार किया गया है। प्रिंसटन विश्वविद्यालय ने भी अचिंत्या पर कार्रवाई करते हुए उनकी कैंपस में एंट्री बैन कर दी है। इजरायल विरोधी और फिलिस्तीन के समर्थन में प्रदर्शनों का हिस्सा बनने के चलते अचिंत्या पर ये कार्रवाई हुई है। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता ने बताया कि मूल रूप से भारत के कोयंबटूर से आने वालीं और कोलंबस की रहने वाली अचिंत्या शिवलिंगन को प्रदर्शन में शामिल होने की वजह से अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ा है और उनको कैंपस में आने से रोक दिया गया है। अनुशासनात्मक प्रक्रिया लंबित होने तक उन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

अमेरिका में कई जगहों पर प्रदर्शन

अमेरिका में फिलिस्तीन के समर्थन में बीते हफ्तों में तेजी आई है। खासतौर से पिछले सप्ताह न्यूयॉर्क के कोलंबिया विश्वविद्यालय में 100 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी के बाद आइवी लीग स्कूल हार्वर्ड और येल सहित अमेरिका भर के प्रमुख विश्वविद्यालयों में विरोध प्रदर्शन तेज हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों की गाजा में हमले रोके जाने की मांग है1

100 से ज्यादा स्टूडेंट्स थे शामिल

डेली प्रिंसटोनियन के मुताबिक विरोध प्रदर्शन गुरुवार सुबह मैककोश कोर्टयार्ड में फिलिस्तीन समर्थक शिविर से शुरू हुआ। ये ग्रुप प्रिंसटन के अधिकारियों की चेतावनी जारी करने के साथ तेजी से बढ़ा। कैंपस लाइफ के उपाध्यक्ष डब्ल्यू ने चेतावनी दी कि अगर छात्र नहीं रुकते हैं तो उन्हें गिरफ्तारी का सामना करना पड़ेगा। छात्रों के नहीं रुकने के चलते गिरफ्तारियां की गईं। इस विरोध प्रदर्शन में 100 से ज्यादा छात्र शामिल थे, जो राष्ट्रव्यापी फिलिस्तीन समर्थक आंदोलनों के साथ एकजुटता प्रदर्शित कर रहे थे।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl